संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 246
पृष्ठ 8
बुधवार
28 मई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- २४ घंटे कुछ न खाने से होते हैं शरीर...

विचार- राहुल गांधी से भाजपा की चिढ़ का...

खेल- आईपीएल के समापन समारोह के लिए...

मान ली होती सरदार पटेल की बात तो नहीं होता पहलगाम अटैक : पीएम मोदी

गांधीनगर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को गुजरात के गांधीनगर में पाकिस्तान पर फिर हमला बोला और कहा कि उनकी सरकार ने भारत से आतंकवाद का नाश करने का फैसला किया है। उन्होंने गांधीनगर के महात्मा मंदिर में 5,536 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। मैं पिछले दो दिनों से गुजरात में हूँ। कल मैंने वडोदरा, दाहोद, भुज और अहमदाबाद का दौरा किया और आज सुबह गांधीनगर गया। जहाँ भी गया, वहाँ देशभक्ति की लहर सी महसूस हुई, केसर के समुद्र की गर्जना जैसी। केसर के समुद्र की गर्जना, लहराता तिरंगा और हर दिल में मातृभूमि के लिए अपार प्रेम। यह नजारा देखने लायक था, यह एक अविस्मरणीय दृश्य था। सभा

को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि अगर 1947 में हमने कश्मीर में घुसने वाले मुजाहिद्दीनों को मार गिराया होता तो आज ऐसी स्थिति नहीं आती। पीएम मोदी ने कहा, ''जब 1947 में बंटवारा हुआ तो उस समय जंजीरें काट देनी चाहिए थीं, लेकिन इसके बजाय देश तीन हिस्सों में बंट गया। इसके तुरंत बाद कश्मीर में पहला आतंकी हमला हुआ और पाकिस्तान ने कश्मीर के एक हिस्से पर कब्जा कर लिया। अगर हमने इन मुजाहिद्दीनों को मार गिराया होता, अगर हमने सरदार पटेल की बात मानी होती, तो वे चाहते थे कि सेना तब तक न रुके जब तक हम पीओके वापस न ले लें। 75 साल तक हमने कष्ट झेले और पहलगाम में जो हुआ, वह उसी हमले का विकृत रूप था। भारतीय सेना ने हर बार पाकिस्तान को हराया है। पाकिस्तान समझ गया है कि वह भारत से नहीं जीत सकता। पीएम मोदी ने सीमा पार आतंकवाद का जिक्र करते हुए कहा कि आतंकवाद कोई छद्म युद्ध नहीं है, यह आपकी युद्ध रणनीति है। आप हम पर युद्ध कर रहे हैं। यह कहते हुए उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि पर बहुत खराब तरीके से बातचीत की गई और इसमें कश्मीर में बांधों से गाद निकालने तक की अनुमति नहीं थी। पीएम मोदी ने कहा कि 26 मई 2014 को मैंने पहली बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उस समय भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान पर थी। आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि हम अब जापान से आगे निकल गए हैं। मुझे आज भी पूरे देश में वह उत्साह याद है जब हम छठे से पांचवें स्थान पर पहुंचे थे, खासकर तब जब भारत ने यूनाइटेड किंगडम को पीछे छोड़ दिया था, उसी देश ने हम पर 250 साल तक राज किया था।

सामूहिक विवाह योजनाः सीएम योगी ने कहा-

बेटी के बालिग होने पर विवाह की ना करें चिंता- कन्यादान के लिए आते रहेंगे

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बेटी की बालिग होने पर उसके विवाह की चिंता ना करें। बेटी के जन्म से लेकर स्नातक तक कन्या सुमंगला योजना में 25000 रुपये की राशि दी जाएगी, उसके साथ ही बेटी के विवाह योग्य होने पर मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में उसके हाथ पीले भी कराए जाएंगे। हम सभी कन्यादान के लिए आते हैं। मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हिंदुस्तान उर्वरक रसायन लिमिटेड खाद्य कारखाना परिसर में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में शामिल होकर 1200 जोड़ों को आशीर्वचन दे रहे थे। मंच से उन्होंने 11 जोड़ों को अपने हाथों से आशीर्वाद दिया। और उनका हाल पूछा। इसके साथ ही विवाह मंडप पर पहुंचकर जोड़ों पर फूल भी बरसाए। मंच से

आशीर्वाद देते हुए सीएम योगी ने कहा कि अच्छी सरकार वही है जो जनता की समस्याओं का निदान निकाल सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विवाह का कार्यक्रम प्रधानमंत्री लोक कल्याण के कार्यक्रम को आगे बढ़ने का हिस्सा है। बेटी बचाओ व बेटी पढ़ाओ के कार्यक्रम को आगे बढ़ाना होगा। बाल विवाह दहेज प्रथा पर यह कार्यक्रम प्रहार है। उन्होंने कहा की बेटी बचाना है तो बेटी को पढ़ाना होगा। उसे सशक्त करना होगा। भाजपा की सरकार ने लोगों की पीड़ा के समाधान को नए सिरे से तय किया है। जन्म से लेकर स्नातक तक कन्या सुमंगल योजना के तहत लाभ दिया जा रहा है। 25000 की राशि इसके लिए तय की गई है। बेटी के कक्षा एक में पहुंचने पर पैसा मिलेगा इसके साथ ही कक्षा 5 तथा आठवीं के बाद दाखिला लेने पर पैसा अपने आप खाते में आ जाएगा। स्नातक के बाद आईटीआई इत्यादि कोर्स के लिए भी पैसा मिलेगा। इसके बाद बेटी विवाह के लायक हो गई तो अभिभावक को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। हम सभी विधायक सहित कन्यादान करने पहुंचते हैं। किसी एक के घर शादी हो तो शायद हम नहीं पहुंच पाए, लेकिन आज लखनऊ के कार्यक्रम छोड़कर हम सब यहां आए हैं। उन्होंने कहा कि प्राचीन मान्यता है कि गांव की बेटी सबकी बेटी होती है। इसी तरह गोरखपुर की बेटी भी सबकी बेटी है। उन्होंने कहा कि यहां बाल विवाह व दहेज प्रथा नहीं है। जाति क्षेत्र व भाषा का बंधन भी यहां देखने को नहीं मिलेगा। उनका कहना था कि रजिस्ट्रेशन कोई भी करवा सकता है। इसमें प्रशासन सहयोग करेगा। समाजवादी पार्टी पर तंज करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले की सरकार 20,000 की धनराशि ही देती थी। वह भी सभी को नहीं मिलता था।

पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान के स्वदेशी कार्यक्रम को मंजूरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों की कमी से जूझ रही वायु सेना की मारक क्षमता बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सरकार ने उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) को देश में ही बनाने के कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद रक्षा क्षेत्र के इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है। मंत्रालय द्वारा जारी वक्तव्य में कहा गया है श्देश की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने और एक मजबूत घरेलू एयरोस्पेस औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) कार्यक्रम निष्पादन के मॉडल को मंजूरी दे दी है। वैमानिकी विकास एजेंसी (एडीए) उद्योग साझेदारी के माध्यम से कार्यक्रम को क्रियान्वित करने के लिए तैयार है। इस मॉडल में प्रतिस्पर्धी आधार पर निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों को समान अवसर प्रदान करेगा। वे स्वतंत्र रूप से या संयुक्त उद्यम के रूप में या संघ के रूप में बोली लगा सकते हैं। इकाई/बोलीदाता देश के कानूनों और नियमों का अनुपालन करने वाली एक भारतीय कंपनी होनी चाहिए। यह मॉडल पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान का प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए स्वदेशी विशेषज्ञता, क्षमता और क्षमता का दोहन करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो एयरोस्पेस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक प्रमुख मील का पत्थर होगा। वैमानिकी विकास एजेंसी जल्द ही विमान के विकास चरण के लिए रुचि की अभिव्यक्ति जारी करेगी।

पंडित नेहरु की पुण्यतिथि पर उन्हें किया गया याद

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की 61वीं पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और देश के लिए उनके योगदान को याद किया। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में श्री मोदी ने लिखा,"हमारे पूर्व प्रधानमंत्री नेहरू की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि।" श्रीमती सोनिया गांधी आज सुबह पंडित जवाहरलाल नेहरू के समाधि स्थल 'शांति वन' गई और पूर्व प्रधानमंत्री

की समाधि पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। शांति वन में इस दौरान पंडित नेहरू की स्मृति में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें श्रीमती गांधी भी शामिल हुई। इस कार्यक्रम में कांग्रेस के कई अन्य नेता भी मौजूद थे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पंडित नेहरू को नमन करते हुए कहा कि सशक्त और समावेशी भारत का सपना लिये पंडित नेहरू ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व से स्वतंत्र भारत की मजबूत नींव रखी। सामाजिक न्याय, आधुनिकता, शिक्षा, संविधान और लोकतंत्र की स्थापना में उनका योगदान अमूल्य है। उन्होंने कहा,"हिंद के जवाहर की विरासत और उनके आदर्श सदैव हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे।" श्री खरगे ने कहा कि पंडित नेहरू के योगदान के बिना 21वीं सदी के भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू भारत को शून्य से शिखर तक पहुँचाने वाले आधुनिक भारत के निर्माता, लोकतंत्र के निर्भीक प्रहरी, भारत को वैज्ञानिक, आर्थिक, औद्योगिक एवं विभिन्न क्षेत्रों में विकासशील बनाने वाले नेता रहे हैं और उन्होंने देश को निरंतर 'विविधता में एकता' का संदेश दिया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने भी पंडित नेहरू को श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें एक महान राजनेता और मानवतावादी बताते हुए कहा कि वह आधुनिक भारत के दूरदर्शी शिल्पकार थे।

चुनौतियों से निपटने और विदेश नीति में पूरी तरह विफल है भाजपा सरकार-कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ट्रोल करके सरकार चला रही है और दबाव में देश के समक्ष मौजूद चुनौतियों से निपटने का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पहलगाम हमले के बाद जब पूरा देश एकजुट होकर खड़ा था और पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहा था तो भाजपा के लोग इस दौरान भी विभाजन की राजनीति कर रहे थे और नफरत फैलाने के काम में लगे थे। उम्मीद की जा रही थी कि भेदभाव भुलाकर देशहित में काम होगा लेकिन भाजपा सरकार इसके उलट वह काम किया जो पाकिस्तान चाहता है। प्रवक्ता ने कहा 'संकट के समय कांग्रेस ने पूरी तरह से सरकार का साथ दिया। नेता विपक्ष राहुल गांधी अपना विदेशी दौरा छोड़कर स्वदेश लौट आये। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तत्काल पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक बुलाई और बयान जारी कर कहा कि हम सरकार के हर कदम में साथ हैं। इसके बाद श्री गांधी पहले पहलगाम जाकर घायलों से और स्थानीय लोगों से मिले।

राष्ट्रहित को राजनीतिक हितों से ऊपर रखें : धनखड़

नयी दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि संस्थानों की तरह ही राजनीतिक दलों की भी राष्ट्रीय उद्देश्य के प्रति नैतिक जिम्मेदारी होती है और राष्ट्रीय सुरक्षा तथा आर्थिक प्रगति जैसे विषयों पर सभी दलों को राष्ट्रहित को अपने राजनीतिक हितों से ऊपर रखना चाहिए। श्री धनखड़ ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति निवास में 'राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम – चरण सात' के उद्घाटन सत्र में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पूरे देश की सोच को पूरी तरह बदल दिया है। समाज पहले से कहीं अधिक राष्ट्रवादी हो गया है।

सभी राजनीतिक दलों ने मिलकर विदेशों में भारत का शांति और आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज को एकजुट रहना और मजबूत बनना होगा। संस्थानों की तरह ही राजनीतिक दलों की भी राष्ट्रीय उद्देश्य के प्रति नैतिक जिम्मेदारी होती है, क्योंकि सभी संस्थाओं का केंद्र राष्ट्रीय विकास, राष्ट्रीय कल्याण, सार्वजनिक कल्याण, पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्ठा है। राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक प्रगति जैसे विषयों पर सभी दलों को राष्ट्रहित को अपने राजनीतिक हितों से ऊपर रखना चाहिए। उन्होंने कहा, "मैं सभी राजनीतिक वर्गों से अपील करता हूँ कि वे गहन चिंतन करें और इस निष्कर्ष पर पहुँचें कि इन विषयों पर सहमति होनी चाहिए।

कभी–कभी राजनीति राष्ट्रवाद और सुरक्षा जैसे विषयों पर बहुत तेज हो जाती है। इसे हमें पार करना होगा।" राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए स्वदेशी शक्ति की आवश्यकता पर बल देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि युद्ध से सबसे अच्छा बचाव तब होता है जब हम शक्ति की स्थिति में हों।

भारत की बिटिया, विश्व की योग-शक्ति

7 वर्षीया वान्या शर्मा ने रचा इतिहासः 13 विश्व रिकॉर्ड, 100+ पुरस्कार और 'ग्लोबल योगा आइकॉन' का गौरव

दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने किया सम्मानित, देश की असली 'प्रेरणा' बताकर सराहा

नई दिल्ली। जहाँ उम्र सिर्फ खेल की होती है, वहीं दिल्ली की 7 वर्षीय बालिका वान्या शर्मा ने योग और संस्कृति के क्षेत्र में 13 विश्व रिकॉर्ड बनाकर भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन कर दिया। एस डी पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा में पढ़ने वाली वान्या शर्मा को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उन्हें ष्यूनिवर्सल बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्सष् का प्रमाण–पत्र प्रदान किया और श्विश्व की सबसे कम उम्र की ग्लोबल योगा आइकॉनश की उपाधि से सम्मानित किया। उन्होंने कहारू ष्वान्या केवल एक बच्ची नहीं, एक युग की शुरुआत है।ष

परिवार : साधना की पहली पाठशाला

वान्या शर्मा एक अत्यंत सुसंस्कारित और योगमय वातावरण में पली–बढ़ी हैं। उनके पिता हेमंत शर्मा स्वयं एक अनुभवी योगाचार्य हैं, जिनके पास योग शिक्षा और प्रशिक्षण का 26 वर्षों से भी अधिक अनुभव है। उनकी माँ हिमानी शर्मा वान्या की प्रथम गुरु हैं, जिन्होंने नन्हीं उम्र से ही उसमें साधना, अनुशासन और आध्यात्मिक चेतना का बीज बोया। वान्या को अपने भाई मौलिक शर्मा से अपार स्नेह और सहयोग मिला, जो उसके बचपन की मुस्कान और ऊर्जा का स्रोत हैं। यह परिवार न केवल योग की शिक्षा देता है, बल्कि उसे अपने जीवन का मूलमंत्र मानता है।

वान्या शर्मा कल्कि फाउंडेशन की ब्रांड एम्बेसडर भी हैं।

13 वर्ल्ड रिकॉर्ड्स (2021दृ 2025)

वर्ष संस्था रिकॉर्ड

2021 इंडिया बुक 14 योगासन (3 वर्ष की आयु में)

एशिया बुक 2 1 योगासन

जीनियस बुक यंगेस्ट योगा जीनियस

इंटरनेशनल बुक 35 योग मुद्राएँ

2022 इंडिया बुक विशेष बच्चों को योग सिखाने वाली सबसे छोटी बालिका

2023 गिनीज़ (भागीदारी) 75 करोड़ सूर्यनमस्कार दृ सबसे बड़ा ऑनलाइन योग एल्बम

2024 अचीवर्स बुक (2 रिकॉर्ड) योग में उत्कृष्टता व रामकथा

सुपर टैलेंटेड किड योग, मंत्र, भजन, रामायण

कल्कि रिकॉर्ड 20 मंत्रों, धार्मिक पाठ

वर्ल्ड रिकॉर्ड्स यूनियन विश्व ध्यान दिवस दृ वर्चुअल

मेडिटेशन क्लास

2025 यूनिवर्सल बुक ग्लोबल योगा आइकॉन

वर्दी वेलनेस/प्रेस्टिजियस सार्वजनिक सम्मान

100+ पुरस्कारों से सम्मानित

वान्या को अब तक 100 से अधिक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए हैं–

वान्या शर्मा को प्राप्त प्रमुख पुरस्कार

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान

☐ डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम अवार्ड दृ योग में असाधारण योगदान के लिए

☐ रतन टाटा मेमोरियल अवार्ड दृ सामाजिक सेवा और योग में उपलब्धियों हेतु

☐ ग्लोबल फेम अवार्ड दृ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग के प्रचार–प्रसार हेतु

☐ शहीद भगत सिंह नोबल अवार्ड दृ सामाजिक सेवा में प्रेरणादायक कार्यों के लिए

☐ एहसास अचीवर्स अवार्ड 2025 दृ ष्टपतेंज ज्ञं च्तंअष् कार्यक्रम में विशेष सम्मान

☐ राइट चॉइस अवार्ड दृ मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत के रूप में मान्यता

☐ एमजीए अवार्ड 2022 दृ योग और आध्यात्मिकता में उत्कृष्टता के लिए

☐ कल्कि गौरव सम्मान 2022 और 2024 दृ भारतीय संस्कृति और योग में योगदान हेतु

☐ योग वीर सम्मान 2022 दृ योग के क्षेत्र में समर्पण के लिए

☐ महर्षि घेरंड योग रत्न सम्मान 2022 दृ योग में गहराई और उत्कृष्टता के प्रतीक

☐ डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिक्षा सम्मान 2022 दृ शिक्षा और योग में योगदान हेतु

☐ इंटरनेशनल सोशल ऑनरेबल अवार्ड 2022 दृ अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सेवा में योगदान के लिए

☐ इंडिया स्टार इंडिपेंडेंट अवार्ड 2022 दृ युवा प्रतिभा के रूप में मान्यता

☐ नेशनल चाइल्ड अवार्ड 2022 दृ बाल प्रतिभा में उत्कृष्टता के लिए

☐ राष्ट्रीय रत्न सम्मान 2022 दृ देश की अमूल्य प्रतिभा के रूप में सम्मान

☐ अटल गौरव सम्मान दृ प्रेरणादायक कार्यों हेतु

☐ शबरी सम्मान दृ भारतीय संस्कृति और योग में योगदान हेतु

सम्मान देने वाली हस्तियाँ

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, पद्मश्री कैलाश सत्यार्थी, पद्मश्री रमेश परमार और शांति परमार, स्वामी रामदेव, आचार्य बालकृष्ण, डॉ. किरण बेदी, स्वामी चिदानंद सरस्वती, अभिनेता सोनू सूद, अमीषा पटेल, राकेश बेदी, वर्दी वेलनेस फाउंडेशन, प्रेस्टिजियस बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स

भारत की नई परिभाषा

वान्या की साधना एक बच्ची की नहीं, बल्कि भारतीय चेतना के पुनर्जागरण की आवाज़ है। ष्जब बेटी ध्यान लगाती है, तो भारत विश्वगुरु बनता है।ष

विद्यालय का संचालन एस. डी. एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा किया जाता है, जो छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु पूर्णतः समर्पित है। विद्यालय के श्री चंद्रभान गर्ग (अध्यक्ष), श्री महावीर गोयल (उपाध्यक्ष), श्री अशोक चौधरी (प्रबंधक), श्री वीरेंद्र जैन (सचिव) तथा श्रीमती अर्चना नाईक (प्राचार्या) के दूरदर्शी नेतृत्व में विद्यालय शिक्षा, संस्कृति एवं संस्कारों के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है।

इन सभी माननीय पदाधिकारियों ने नन्ही योगिनी वान्या शर्मा को योग के क्षेत्र में उसकी विलक्षण उपलब्धियों के लिए स्नेह, आशीर्वाद एवं उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रदान कीं।

जयकारों से गूंजते रहे हनुमान मंदिर व शनि धाम

प्रयागराज। ज्येष्ठ माह के तीसरे बड़े मंगल पर हनुमान मंदिरों में भोर से ही भक्तों की आस्था उमड़ पड़ी। एक तो बड़ा मंगल दूसरा शनि जयंती, इन दो महत्वपूर्ण अवसर पर बड़े हनुमान जी मंदिर, हनुमत निकेतन व संकटमोचन हनुमान मंदिर से लेकर अतरसुइया के शनि धाम व दारागंगज बक्शी बांध पर स्थित शनि मंदिर के परिसर में पूजन–अर्चन व तेलाभिषेक करने के लिए भक्तों की कतार लग गई। जय श्रीराम, जय–जय हनुमान व सियावर रामचंद्र की जय का उद्घोष सुनाई देता रहा तो शनि मंत्र का सामूहिक जाप करने के लिए भी भीड़ जुटी रही।

परीक्षा के लिए वेबसाइट पर प्रवेश पत्र जारी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (यूपीआरटीओयू) के सत्र जून 2025 की परीक्षाएं 31 मई से शुरू होने जा रहीं हैं। परीक्षाएं 25 जून को समाप्त होंगी। खास बात यह है कि इस बार 22 कार्य दिवस में परीक्षा पूरी करा ली जाएगी। परीक्षा के लिए वेबसाइट पर प्रवेश पत्र अपलोड कर दिया गया हैं। संबंधित विद्यार्थी वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउन लोड कर सकते हैं। कुलपति प्रो. सत्यकाम ने बताया कि प्रयागराज, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, आजमगढ़, झांसी, कानपुर, नोएडा, मेरठ, आगरा एवं अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र से संबद्ध अध्ययन केंद्रों में नामांकित 71462 शिक्षार्थी प्रदेशभर में बनाए गए 169 केंद्रों में परीक्षा देंगे। परीक्षाएं दो पालियों में सुबह 10 से दोपहर एक और दोपहर दो से शाम पांच बजे तक होंगी। जेल बंदी परीक्षार्थी के लिए केंद्रीय कारागारों में परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा सामान्य प्रश्नपत्रों की तरह निबंधात्मक शैली में आयोजित की जाएगी, जिसकी समयावधि तीन घंटे की रहेगी। वहीं, आठ पाठ्यक्रमों की परीक्षा ओएमआर शीट आधारित होगी। इसकी समयावधि दो घंटे की होगी। परीक्षा केंद्रों की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। परीक्षा में शामिल होने वाले सभी शिक्षार्थियों के प्रवेश पत्र एक या दो दिन में ऑनलाइन जारी कर दिए जाएंगे। वे विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

आईईआरटी: 70 छात्रों को मिला प्लेसमेंट

प्रयागराज। इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड रूरल टेक्नोलाजी (आईईआरटी) में मेधा फाउंडेशन की ओर से मैकेनिकल ट्रेड के छात्रों के लिए प्लेसमेंट ड्राइव का सफल आयोजन किया गया। प्लेसमेंट ड्राइव में बैक्सी इंडिया ने भाग लिया और कुल 180 से अधिक छात्रों ने इसमें सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिसर (टीपीओ) संजीव प्रताप सिंह और मेधा फाउंडेशन के सीनियर प्रोग्राम मैनेजर जयंत सिंह का स्वागत किया। सीनियर करियर प्रोग्रेशन मैनेजर साकिब अतीक ने छात्रों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि छात्रों में बहुत संभावनाएं हैं और अन्य ट्रेड के लिए भी कई कंपनियां लाइन में हैं। कुलदीप नगर ने बताया कि पहले राउंड में ही 70 से अधिक छात्रों का चयन कर लिया है। आयुष सिंह, कल्पना, देव सिंह और ओसामा उपस्थित रहे।

छावनी क्षेत्र में 1100 से अधिक मकानों का बढ़ा गृहकर

प्रयागराज। छावनी क्षेत्र में रहने वाले भवनस्वामियों पर गृहकर के रूप में सालाना आर्थिक बोझ बढ़ा है। छावनी परिषद ने अपने क्षेत्र के भवनों पर गृहकर चालू वित्तीय वर्ष से बढ़ा दिया है। भवनस्वामियों को गृहकर का नया बिल भी भेजा जा रहा है। क्षेत्र के भवनस्वामियों पर 30 फीसदी तक गृहकर में वृद्धि की गई है। नई, पुरानी और संगम किनारे फोर्ट क्षेत्र में 1100 से अधिक छोटे–बड़े मकान हैं। मकानों का गृहकर बढ़ाने की पिछले साल से कवायद हुई। छावनी परिषद ने प्रस्तावित गृहकर का नोटिस भवनस्वामियों को भेजकर आपत्ति और सुझाव मांगा था। छावनी परिषद के मुख्य अधिशासी अधिकारी मोहम्मद समीर इस्लाम ने सुनवाई कर प्रस्तावित गृहकर पर आपत्तियों को निस्तारित किया। इसके बाद भवनों पर प्रस्तावित गृहकर लागू करने के लिए रक्षा मंत्रालय से अनुमति मांगी गई। छावनी परिषद सूत्रों के अनुसार महीनों बाद रक्षा मंत्रालय से हरी झंडी मिलने के बाद भवनस्वामियों को बढ़ा गृहकर का बिल भेजा जाने लगा। पानी के बिल में पहले ही वृद्धि हो चुकी है।

छह करोड़ से फाफामऊ पुल का होगा स्थायी समाधान

प्रयागराज। पीडब्ल्यूडी के राष्ट्रीय मार्ग खंड ने फाफामऊ पुल के एक्सपेंशन ज्वाइंट और क्षतिग्रस्त बेयरिंग का स्थायी समाधान कराने का निर्णय लिया है। इसके लिए खंड के अधिशासी अभियंता रविंद्र पाल सिंह ने एक किलोमीटर लंबे पुल की पूरी तरह से मरम्मत कराने को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को छह करोड़ रुपये का प्रस्ताव भेजा है। इस पुल पर कुल 31

एक्सपेंशन ज्वाइंट हैं। डेढ़ महीने पहले पुल के तीन एक्सपेंशन ज्वाइंट व बेयरिंग क्षतिग्रस्त हो गई थी। उस समय मरम्मत के लिए पुल को पंद्रह से बीस दिनों तक बंद किए जाने की बात खंड के अधिकारियों की ओर से की जा रही थी। इस संबंध में खंड के अधिशासी अभियंता ने डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ से मुलाकात की थी। तीनों ज्वाइंट की मरम्मत कराने का निर्णय हुआ। उसके बाद खंड के आला अधिकारियों ने तीन एक्सपेंशन ज्वाइंट का अस्थायी मरम्मत कार्य मई के दूसरे सप्ताह में करा लिया। जबकि स्थायी मरम्मत के लिए जो प्रस्ताव मंत्रालय को भेजा गया है, उसके पीछे यह तर्क दिया गया है कि एक साल में गंगा पर बन रहे सिक्स लेन पुल का कार्य पूरा हो जाएगा। तब फाफामऊ पुल पर यातायात का दबाव कम हो जाएगा तो उसके बाद पूरे फाफामऊ पुल के एक्सपेंशन ज्वाइंट व बेयरिंग को बदला जाएगा। कोट तीनों एक्सपेंशन ज्वाइंट की मरम्मत कराई जा चुकी है। इसलिए पुल का स्थायी समाधान कराने के लिए मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा गया है। रविंद्र पाल सिंह, अधिशासी अभियंता, राष्ट्रीय मार्ग खंड

चांदी चोरी करके सात किमी पैदल भागा चोर, पकड़ नहीं पाई पुलिस, घंटों तक छानती रही खाक

प्रयागराज। प्रयागराज कमिश्नरेट पुलिस अपराध पर अंकुश लगाने के तमाम दावे के बावजूद शहर में आपराधिक मामलों का ग्राफ कम नहीं हो रहा है। आलम तो यह है कि पुलिस पैदल भाग निकले अपराधी तक को पकड़ने में सफल नहीं हो सकी। चार दिन पहले जीरो रोड पर सराफा कारोबारी के लाखों रुपये मूल्य की चांदी लेकर पैदल उचक्का लेप्रोसी चौराहे तक लगभग सात किमी तक की दूर तय कर फरार हो गया। इधर, पीड़ित की सूचना के बाद बावजूद कोतवाली पुलिस घंटों खाक छानती रही।

फूलपुर के सराफा कारोबारी सौरभकेशरी की कार से जीरो रोड इलाके में 23 मई की शाम एक युवक चांदी से भरा बैग लेकर फरार हो गया। बैग में 9.80 लाख कीमत की दस किलो चांदी थी। वारदात के थोड़ी देर बादही व्यापारी ने कोतवाली पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस फरार उचक्के को पकड़ने की बजाय काफी देर तक व्यापारी से ही पूछताछ करती रही। उचक्का पैदल ही सात किमी की दूरी तय कर लेप्रोसी चौराहे तक पहुंच गया।

पुलिस की इस कार्यप्रणाली से व्यापारियों में नाराजगी है। व्यापारियों का कहना है कि यदि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की होती तो शायद पैदल फरार उचक्का पकड़ा जा सकता था। इधर, कोतवाली थाना प्रभारी दीनदयाल सिंह का कहना है कि लेप्रोसी चौराहे के बाद सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं। इसके बाद दुकानों में लगे कैमरों व रोडवेज बसों की जांच की जा रही है।

तीसरे नेत्र की सीमा से दूर भाग निकला

पुलिस अब तक जीरो रोड से लेकर लेप्रोसी चौराहे तक आईट्रिपलसी के कैमरों की फुटेज खंगाल चुकी है। इसमें दिखा कि उचक्का पैदल ही सात किमी दूरी तय कर लेप्रोसी चौराहे तक पहुंचने के बाद रीवा रोड की ओर निकल गया। हालांकि लेप्रोसी चौराहे के बाद आईट्रिपलसी के कैमरे नहीं लगे होने से उचक्का अब तीसरे नेत्र की सीमा से भी दूर हो गया है। पुलिस अब चौराहे के समीप उस वक्त रीवा रोड की ओर जाने वाली दो रोडवेज बसों में पड़ताल करने में जुटी है।

प्लास्टिक कचरे को लेकर चला जागरूकता अभियान

प्रयागराज। रेलवे में मनाए जा रहे पर्यावरण पखवाड़ा के तहत प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन पर प्लास्टिक कचरे को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान स्टेशन परिसर में प्लास्टिक कचरे के दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दी गई। यात्रियों से कहा कि वह सिंगल यूज प्लास्टिक का यूज न करें। उत्तर मध्य रेलवे में पर्यावरण पखवाड़ा के तहत तमाम जागरूकता कार्यक्रम हो रहे हैं। इसी क्रम में प्लास्टिक के कम से कम उपयोग को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। यह भी कहा गया कि स्टेशनों पर सूखे एवं गीले कचरे के अलग–अलग डस्टबिन लगाए गए हैं। यात्री कचरा फेकने के लिए इन डस्टबिन का प्रयोग करें। प्रयागराज मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार 28 से 30 मई तक पर्यावरण पखवाड़ा के तहत स्टेशनों के स्टॉलों का निरीक्षण किया जाएगा। ताकि सिंगल यूज़ प्लास्टिक प्रतिबंध का पालन सुनिश्चित हो सके। कहा कि यात्रियों को पुनः उपयोग योग्य हेतु स्टील की बोतलों का प्रयोग करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा। कहा कि 31 मई से दो जून तक रेलवे कॉलोनियों और स्टेशनों के आस–पास के हरित क्षेत्रों की सफाई और देखरेख पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही, 'एक स्टेशन एक उत्पाद योजना के तहत पर्यावरण हितैषी उत्पादों का प्रचार–प्रसार किया जाएगा। वहीं तीन से चार जून यात्री सहभागिता एवं जल संरक्षण अभियान के तहत जागरूकता अभियान चलेगा। पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर स्टेशनों पर कपड़े के थैलों और स्टील की बोतलों का वितरण किया जाएगा। स्टेशनों पर पौधरोपण, साफ–सफाई अभियान, प्रतियोगिताएं और जागरूकता रैलियां भी आयोजित की जाएंगी।

मंडलीय खरीफ गोष्ठी आज

प्रयागराज। मंडलीय खरीफ गोष्ठी का आयोजन 28 मई को जिला पंचायत सभागार में होगा। कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में कानपुर व प्रयागराज मंडल की संयुक्त मंडलीय गोष्ठी होगी। जिला पंचायत सभागार में सुबह 9रू30 बजे से गोष्ठी की शुरूआत होगी। इसमें कृषि मंत्री भी शिकरत कर सकते हैं। दोनों मंडलों के सभी वरिष्ठ अधिकारी व कृषि विशेषज्ञ यहां आएंगे। बजे जनपद प्रयागराज के जिला पंचायत सभागार में किया गया है। गोष्ठी में खरीफ उत्पादकता के सम्बंध में की गयी तैयारी एवं रणनीति की समीक्षा के साथ–साथ किसानों से फीडबैक भी प्राप्त किया जायेगा। गोष्ठी में कृषि वैज्ञानिक/विशेषज्ञ तथा प्रगतिशील कृषकों को सम्मिलित करते हुए तकनीकी सत्र का आयोजन भी होगा।

30 मई को प्रयागराज आ सकते हैं सीजेआई, राज्यपाल और सीएम

प्रयागराज। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई, प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 30 मई की शाम प्रयागराज आ सकते हैं। 31 मई को हाईकोर्ट की मल्टी लेवल पार्किंग के उद्घाटन कार्यक्रम में शिरकत कर सकते हैं। हालांकि अभी अंतिम कार्यक्रम नहीं आया है, लेकिन प्रशासनिक अफसरों ने अपने स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। 31 मई का कार्यक्रम संक्षिप्त है, लेकिन पंचायत चुनावों को देखते हुए मुख्यमंत्री यहां रुक सकते हैं। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत कर रात्रि भोजन कर सकते हैं। संभावना है कि सांसद, विधायकों सहित बड़े पदाधिकारी मौजूद रह सकते हैं। यह भी तैयारी है कि मुख्यमंत्री किसी गांव में जाकर वहां के लोगों से सीधे संवाद करें। इसके लिए प्रशासनिक अफसरों ने ग्राम पंचायतों की सूची तैयार करनी शुरू कर दी है। सर्किट हाउस में 28 मई से ही कमरों को बुक नहीं किया जा रहा है। अंतिम कार्यक्रम न आने के कारण फिलहाल अधिकारी कुछ बोल नहीं रहे हैं।

पानी और कोल्ड ड्रिंक्स के 16 सैंपल जांच के लिए भेजे

प्रयागराज। मिलावटखोरों के खिलाफ प्रदेश सरकार के अभियान चलाने के निर्देश के क्रम में जिले में कार्रवाई तेज कर दी गई है। पिछले दिनों पानी और कोल्ड ड्रिंक्स के 16 सैंपल निर्माण इकाइयों से लेकर जांच के लिए लैब भेजे गए। सोमवार को फाफामऊ में व्यापारियों के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया। फाफामऊ व्यापार मंडल के सदस्यों को बताया गया कि लाइसेंस की प्रक्रिया क्या है। किस लाइसेंस पर क्या उत्पाद बेच सकते हैं और उत्पाद की गुणवत्ता को कैसे पहचानें। सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा द्वितीय सुशील कुमार ने बताया कि 20 से 24 मई के बीच जिले में पानी, कोल्ड ड्रिंक्स और सॉफ्ट ड्रिंक्स के खिलाफ अभियान चलाया गया था। 13 जगह छापे मारे गए और 16 सैंपल जांच के लिए लैब भेजे गए। इसके पहले दूध, पनीर और आइस्क्रीम के 40 नमूने संग्रहित किए जा चुके हैं। सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा द्वितीय ने बताया कि मिलावट के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

रिक्त भवनों की जानकारी देने को बनाई हेल्प डेस्क

प्रयागराज। प्रयागराज में आशियाने की तलाश कर रहे लोगों के लिए प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने हेल्प डेस्क बनाई है। पीडीए ने अपनी 12 आवासीय योजना में 764 फ्लैटों का लॉटरी से आवंटन करेगा। पीडीए ने लोगों से अलग–अलग प्रकार के फ्लैटों के लिए आवेदन मांगे हैं। फ्लैट लेने के इच्छुक 05322400911 और 0532–4022624 नंबर पर फोन कर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। दोनों नंबरों पर सुबह 10 से शाम पांच बजे तक आवास योजनाओं में रिक्त फ्लैटों की जानकारी ली जा सकती है। इनके अलावा पीडीए की वेबसाइट janhit-upda-in vkSj www-pdaprayagraj-org पर जानकारी उपलब्ध है। लोग वेबसाइट पर आवेदन भी कर सकते हैं।

स्नातक के तीन पाठ्यक्रमों में मेरिट से मिलेगा दाखिला

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भय्या) राज्य विश्वविद्यालय में संचालित तीन एकीकृत (इंटीग्रेटेड) पाठ्यक्रमों में शैक्षिक सत्र 2025–26 में मेरिट के आधार पर प्रवेश मिलेगा। इनमें प्रवेश परीक्षा नहीं होगी। इसके अलावा पहली बार शुरू होने वाले स्नातक (यूजी) और परास्नातक (पीजी) स्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम में भी मेरिट के आधार पर दाखिला होगा। इसके लिए राज्य विवि ने दिशा–निर्देश जारी कर दिया है। राज्य विश्वविद्यालय कैंपस में शैक्षिक सत्र 2023–24 से शुरू हुए चार

कोर्स इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन आर्ट बीए (आईपीए बीए–एमए), इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन साइंस बीएससी (आईपीएस बीएससी–एमएससी), इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन कॉमर्स बीकॉम (आईपीसी बीकॉम–एमकॉम), इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट बीबीए–एमबीए (आईपीएम बीबीए) में 60–60 सीटों के सापेक्ष प्रवेश लिए गए। पहले सभी एकीकृत पाठ्यक्रमों में संयुक्त प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश हो रहा था, लेकिन तीन पाठ्यक्रम एकीकृत बीए, बीएससी और बीकॉम में मेरिट से प्रवेश होगा। जबकि बीबीए में प्रवेश परीक्षा के स्कोर पर दाखिला मिलेगा। इसके साथ ही कैंपस में संचालित होने वाले परास्नातक के 18 परंपरागत पाठ्यक्रम में भी मेरिट के आधार के पर प्रवेश होंगे। वहीं, नए सत्र से कई डिप्लोमा कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। इसमें डिप्लोमा इन ज्योति कर्मकांड, पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा इन योगा, एनजीओ एंड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट समेत अन्य डिप्लोमा प्रोग्राम में भी मेरिट के अनुसार दाखिला मिलेगा। नए सत्र में दाखिले के लिए आवेदन शुरू है। आवेदन की अंतिम तिथि 31 जून है।

अंबानी, नंदी और अटल उद्यम मार्ग के लिए उठाई आवाज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश औद्योगिक कल्याण संघ के अध्यक्ष आशुतोष तिवारी ने यूपीसीडा के क्षेत्रीय प्रबंधक संतोष कुमार को सीईओ यूपीसीडा को संबोधित ज्ञापन सौंपा। इसमें औद्योगिक क्षेत्र की प्रमुख सड़कों का नामकरण करने की मांग की गई। इसमें डेज मेडिकल से युनाइटेड कॉलेज तक अटल उद्यम मार्ग, रेमंड तिराहे से रेमंड फैक्टरी तक धीरूभाई अंबानी मार्ग, सिंचाई कार्यशाला से रेमंड फैक्टरी तक पूर्ण चंद्र गुप्त मार्ग, युनाइटेड कॉलेज मोड़ से भारत पेट्रोलियम तक नंदी मार्ग, बीआईटी के सामने से नेक्सा कार्यशाला तक मुद्रा मार्ग, यूपीसीडा कार्यालय से हिन्दुस्तान प्रेस तक हिन्दुस्तान मार्ग समेत सात मार्गों के नामकरण के लिए सूची सौंपी। संगठन ने औद्योगिक क्षेत्र में आने वाले आगंतुकों की सुविधा के लिए कम से कम पांच बड़े होर्डिंग लगाने की भी मांग की है, जिनमें क्षेत्र का स्पष्ट नक्शा हो और प्रमुख इकाइयों की जानकारी दी गई हो।

रामबाग स्टेशन पर सामूहिक श्रमदान करके यात्रियों को जागरूक किया

प्रयागराज। विश्व पर्यावरण दिवस के संरक्षण पखवाड़ा के तहत रामबाग रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया, पार्क, प्लेटफार्म एवं सार्वजनिक स्थलों पर रेलवे कर्मचारियों ने श्रमदान कर व्यापक साफ–सफाई की गयी । इसके साथ ही यात्रियों को एकल

उपयोग प्लास्टिक के उपयोग बन्द करने ,प्लास्टिक के प्रदूषण के बढ़ते पर्यावरण पर दुष्प्रभावों और प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और स्थायी विकल्पों को चुनने हेतु जागरूक किया गया। पर्यावरण संरक्षण सप्ताह के अंतर्गत जागरूकता रैली निकाली गई, वृक्ष लगाओ–पर्यावरण बचाओ के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक का मंचन कर यात्रियों को जागरूक किया गया, स्टेशन पर कूडे के पृथक्करण कर निर्धारित डस्टबीन में डालने हेतु यात्रियों को जागरूक किया गया। साथ ही साथ यात्रियों एवं रेलवे कर्मचारियों को प्लास्टिक के थैले की जगह कपड़े के थैले के प्रयोग पर जोर दिया गया, यात्रियों को स्टेशन पर रखे प्लास्टिक बोतल क्रेशर मशीन के प्रयोग की जानकारी भी दी गई। इसके साथ ही साथ मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर रेल यात्रियों एवं रेलवे कर्मचारियों मे पर्यावरण के प्रति जन–जागरूकता लाने हेतु सार्वजनिक जागरूकता कार्यशाला, चौपाल, पाम्पलेट वितरण, कपडे के झोले का वितरण, पौधा वितरण, सेल्फी पॉइंट लगाकर, सामूहिक श्रमदान इत्यादि का आयोजन किया गया।

आयुष्मान लाभार्थी से वसूले 1.50 लाख रुपये किए वापस

प्रयागराज। शहर के एक निजी अस्पताल ने आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थी से इलाज के नाम पर 1.50 रुपये वसूल लिए। जबकि अस्पताल में मरीज की मौत हो गई थी। मृतक की पत्नी प्रतिज्ञा पांडेय की शिकायत पर अस्पताल संचालक ने सीएमओ कार्यालय में 1.50 लाख रुपये वापस कर दिए। साथ ही खुद के अस्पताल को आयुष्मान के पैनल से बाहर भी कर लिया। मिर्जापुर के गोडसर गांव के रहने वाले अजय पांडेय अगस्त, 2024 में हार्ट की बीमारी का इलाज के लिए शहर के एक निजी अस्पताल में आए थे। लेकिन आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद अस्पताल प्रशासन ने इलाज के लिए करीब 1.50 लाख रुपये ले लिए। शिकायत पर जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कमेटी गठित की थी। नौ माह तक चली जांच के बाद अस्पताल संचालक से भी पूछताछ की गई। जांच में सामने आया कि आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद मरीज से 1.50 लाख रुपये लिए ले लिए गए हैं। सोमवार को अस्पताल के प्रबंधक ने सीएमओ को मृतक की पत्नी के नाम का 1.50 लाख का चेक प्रदान किया।

पुण्यतिथि पर याद किए गए आधुनिक भारत के निर्माता पंडित जवाहरलाल नेहरू

मुजफ्फरनगर। आधुनिक भारत के निर्माता पं जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि के अवसर पर आज कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं किसान चिंतक कमल मित्तल ने जिला कांग्रेस कमेटी के भगतसिंह रोड स्थित कार्यालय पहुंचकर स्व० नेता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला कांग्रेस कमेटी के कैम्प कार्यालय पर श्रद्धांजलि सभा में कांग्रेस

जिला अध्यक्ष सतपाल कटारिया, धीरज महेश्वरी, नवीन गर्ग, विनोद धीमान, कांग्रेस सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष सद्दाम सिद्दिकी, एनएसयूआई शहर अध्यक्ष आमिर सैफी,सतीश सहरावत हरीश त्यागी,रिजवान सहित अनेको कांग्रेसी नेताओं में दिवंगत नेता को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला बार संघ के हॉडा हाल में भी भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता एवं किसान चिंतक कमल मित्तल, इंद्रपाल मलिक, अशोक त्यागी, हाफिज अमीर अहमद आदि ने पुष्पांजलि अर्पित की।

बढ़ीवाला में भगवान शनिदेव की प्राण प्रतिष्ठा में पहुंचे मोहन प्रजापति

मुजफ्फरनगर। आज के बढ़ीवाला खादर में श्री शनिदेव की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के विधि विधान के साथ संपन्न हुई इस दौरान प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यातिथि अति पिछड़ा

वर्ग के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन प्रजापति जी का समाज के लोगों ने स्वागत किया वही मोहन प्रजापति जी ने शनिदेव की पूजा कर सभी को शनिदेव जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दी वही इस मौके पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें कई गांव के लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ उठाया इस दौरान अध्यक्ष डॉव राजवीर सिंह प्रजापति जी, क्षेत्रीय अध्यक्ष ब्रजवीर धीमान जी जगदीश प्रजापति जी जयंती अध्यक्ष सुशील प्रजापति जी महासचिव रजत प्रजापति जी यादेराम प्रजापति जी शिवकुमार गोधना,जी विक्की, केशव राम जी जोगेंद्र जी दीपक प्रजापति जी अजय प्रजापति जी अनिल प्रजापति आदि।

तीसरे बड़े मंगल के अवसर पर भंडारे का आयोजन

लखनऊ, संवाददाता। गोमतीनगर के विरामखंड क्षेत्र में तीसरे बड़े मंगल के अवसर पर एक विशेष भंडारे का आयोजन किया गया, जिसकी सबसे बड़ी खासियत यह रही कि इसका संपूर्ण संचालन महिलाओं की टीम ने किया। दोपहर 1 बजे से प्रारंभ हुए इस भंडारे में महिलाओं ने न केवल भाग लिया, बल्कि पूरी व्यवस्था को भी संभाला, जिससे यह आयोजन एक प्रेरणादायक मिसाल बन गया। भंडारे की शुरुआत विधिवत हनुमान जी की पूजा–अर्चना और भोग अर्पण के साथ हुई। पूजा के बाद भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई थी, जिसे पूरी निष्ठा और श्रद्धा से महिलाओं ने संपन्न किया। इस आयोजन में रंजना अवस्थी, मोना श्रीवास्तव, परमिला गुप्ता, दिव्या, परमिला बाजपेई, आयुषी गुप्ता और अभिलाषा अवस्थी समेत कई अन्य महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इन सभी ने मिलकर आयोजन को सफल बनाया और यह दिखा दिया कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। मोना श्रीवास्तव ने कहा, आज के समाज में महिलाएं पुरुषों से कहीं बेहतर कार्य कर सकती हैं। हमें अपने आप को कमजोर नहीं समझना चाहिए, बल्कि हर मंच पर बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। वहीं रंजना अवस्थी ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन महिलाओं के आत्मबल को बढ़ाते हैं और समाज में उनकी भूमिका को सशक्त बनाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में इस तरह के आयोजनों को और विस्तार दिया जाएगा, ताकि समाज में महिलाओं की नेतृत्व क्षमता को और अधिक उजागर किया जा सके।

नेशनल हाईवे के किनारे मिली दरोगा की लाश

पास में पड़ी थी मोटरसाइकिल,मचा हड़कंप

लखनऊ, संवाददाता। ललितपुर में नेशनल हाईवे के किनारे यूपी पुलिस के दरोगा की लाश मिलने से हड़कंप मच गया है।पुलिस अधीक्षक मोहम्मद मुश्ताक सहित कई वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे।जिस दरोगा की लाश मिली है उनका नाम जितेंद्र सिंह था, वह ललितपुर की बिरधा चौकी के इंचार्ज थे। घटनास्थल ललितपुर कोतवाली सदर के अंतर्गत आता है। यहां से गुजर रहे राहगीरों को ललितपुर सागर राष्ट्रीय राजमार्ग नेशनल हाईवे के किनारे शव और एक मोटरसाइकिल पड़ी दिखाई दी। लोगों ने पास जाकर देखा तो पिस्टल, पानी की बोतल और हेलमेट दिखाई पड़ा। कुछ लोगों ने उनके बिरधा चौकी इंचार्ज जितेन्द्र सिंह होने की आशंका जाहिर की। लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। दरोगा की लाश नेशनल हाईवे के किनारे पड़ी होने की सूचना मिलते ही विभाग में हड़कंप मच गया। स्थानीय पुलिस कर्मियों ने अधिकारियों को इसकी सूचना दी। एसपी मोहम्मद मुश्ताक, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह, क्षेत्राधिकारी सदर अजय और कोतवाली प्रभारी मौके पर पहुंचे। इन अफसरों ने घटनास्थल का जायजा लिया और चौकी इंचार्ज के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चौकी इंचार्ज की संदिग्ध मौत की गहनता से जांच की जा रही है।

कोरोना की संभावित स्थिति से निपटने को तैयार रहें दवा व्यापारी: सुभाष चौहान

कहा- पहले से ही रखें जरूरी दवाओं का स्टाक, जनपदवासियों को न होने दें कोई परेशानी

दवा व्यापारियों के सामने आ रही समस्याओं का जल्द कराया जायेगा समाधान

मुजफ्फरनगर। देशभर में कोरोना ने एक बार पुनरू दस्तक देनी शुरू कर दी है। नोएडा में 9 नये मामले सामने आने के बाद यूपी में कोरोना के 15 मामले हो गये हैं, जिसके बाद मुजफ्फरनगर कैमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सुभाष चौहान ने दवा व्यापारियों की बैठक में कहा कि कोरोना की संभावित स्थिति के मद्देनजर दवा व्यापारियों को जरूरी स्टाक पहले से ही सुनिश्चित कर लेना चाहिए, ताकि जनपदवासियों को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हो। इसके अलावा भी बैठक में अनेक मुद्दों पर विचार–विमर्श किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार जिला परिषद् मार्केट में स्थित मैक्स एंटरप्राईजेज पर मुजफ्फरनगर कैमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें अनेक पदाधिकारी एवं दवा व्यापारी शामिल रहे। बैठक में देशभर में कोरोना की पुनरू

वापसी पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। इस मौके पर मुजफ्फरनगर कैमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सुभाष चौहान ने कहा कि देशभर में कोरोना के लगभग एक हजार मामले सामने आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि नोएडा में 9 नये मामले सामने आने के बाद उत्तर प्रदेश में कोरोना के 15 केस सामने आये हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना के दिन प्रतिदिन बढते मामलों को लेकर दवा व्यापारियों को अपनी तैयारियां पहले से ही पूरी कर लेनी चाहिए और जरूरी दवाओं का स्टाक पहले से ही सुनिश्चित कर लेना चाहिए, ताकि किसी भी जनपदवासी को कोई परेशानी नहीं हो। उन्होंने सख्त हिदायत दी कि दवाओं के स्टाक के अभाव में कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं होगी और मरीजों को उचित मूल्य पर ही दवाएं उपलब्ध करानी होंगी। बैठक में दवा लाईसेंस के नवीनीकरण में जो दिक्कतें सामने आ रही हैं, उस पर भी गहनता के साथ विचार–विमर्श किया गया। सुभाष चौहान ने सभी दवा व्यापारियों को आश्वासन दिया कि कम्पनियों के स्तर पर अगर कोई समस्या है और यदि विभागीय स्तर पर भी कोई समस्या है तो उसका समाधान अवश्य कराया जायेगा। इस अवसर पर संस्था के संस्थापक चेयरमैन प्रमोद मित्तल, संरक्षक डॉ. आर.के. गुप्ता, दिव्य प्रताप सोलंकी, सतीश तायल, पंकज तनेजा, मनीष गर्ग, कुलदीप शर्मा, संदीप शर्मा, मुकेश शर्मा आदि पदाधिकारी और दवा व्यापारी उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल द्वारा एस.डी कालेज मार्केट के प्रांगण में मनाया गया व्यापारी शहीदी दिवस

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल जनपद मुजफ्फरनगर द्वारा आज 26 मई को व्यापारी शहीदी दिवस एस.डी कॉलेज मंदिर प्रांगण में आयोजित किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री अशोक कंसल जी रहे। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल अपने जन्म काल से ही व्यापारियों की समस्याओं के निराकरण हेतु संघर्षरत रहा है प्रारंभ में मुख्य रूप से प्रदेश में तीन समस्याएं थी, जिसमें बिक्री कर के जनरल सर्वे, आवश्यक वस्तु अधिनियम की आड़ में इंस्पेक्टरो द्वारा उत्पीड़न, प्रदेश में पटरी दुकानदारों को अतिक्रमण के नाम पर उजाड़ना, प्रथम आंदोलन बिक्री कर के सर्वे का व्यापार मंडल ने जबरदस्त विरोध किया, जिसमें बिक्री कर के सर्वे के विरोध में 26 में 1979 को 24 वर्षीय व्यापारी नेता हरिश्चंद्र अग्रवाल लखनऊ में शहीद हुए थे, उसके बाद बिक्री कर के सर्वे हमेशा के लिए बंद हो गए थे, जो कि आज तक भी बंद है आवश्यक वस्तु अधिनियम के विरोध में सैकड़ो आंदोलन हुए जिसमें व्यापारियों पर जबरदस्त लाठी चार्ज करने के साथ–साथ जेल भी भेजा गया, अंततः जीत व्यापारियों की ही हुई और

आवश्यक वस्तु अधिनियम समाप्त हो गया। इस संघर्ष में श्री नित्यानंद कौशिक एवं हरिशंकर अग्रवाल बुलंदशहर में 18 जुलाई 1986 को शहीद हुए अतिक्रमण के संबंध में पटरी दुकानदारों ने 19 जनवरी 1988 को तहसील पट्टी जिला प्रतापगढ़ में श्री अशोक कुमार खंडेलवाल एवं श्री शिव सिंह अतिक्रमण हटाओ अभियान में शहीद हो गए थे।

इनकी प्रतिमाएं उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल द्वारा पट्टी प्रतापगढ़ में लगाई जा चुकी है 23 सितंबर 1993 को जब मुन्ने मिंगा एटा, 14 सितंबर 1993 को मुफ्तीगंज जिला जौनपुर के श्री अशोक राय, 2 अप्रैल 1995 में गाजियाबाद के कमल जैन, 27 अप्रैल 1995 को कासगंज के रमेश बिंदल, 22 दिसंबर 1995 को हरिद्वार के श्री अजय गुप्ता, 22 दिसंबर 1995 को मैनपुरी के अमित गुप्ता, अक्टूबर 2003 को संत कबीर नगर के श्री गोपाल पोद्दार, यह सभी व्यापारी नेता शासन, प्रशासन व पुलिस की लाठियों और गोलियों की परवाह न करते हुए व्यापारी हितों के लिए शहीद हो गए, जिनकी शहादत व्यापारी समाज कभी नहीं भूल सकता।

हे! अमर सेनानियों आपकी शहादत को कोटि–कोटि नमन और वंदन कार्यक्रम में शहीद हुए व्यापारियों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। उन्हें नमन किया गया। मुख्य वक्ता श्रीमान अशोक कंसल जी ने विस्तार से सब के बारे में बताया। इसके पश्चात प्रदेश कार्यक्रम के अनुसार व्यापारियों को सत्य प्रकाश मित्तल जी, राकेश कंसल, राकेश गर्ग जी, सुलखन सिंह नामधारी जी, श्याम सिंह सैनी जी ,योगेश भगत जी ,अनिल नामदेव जी ,अशोक छाबड़ा जी को सम्मानित किया गया, जिनका व्यापार मंडल में महत्वपूर्ण योगदान रहा उन्हें पटका पहनकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्याम सिंह सैनी जी, राकेश गर्ग जी, दिनेश बंसल जी, सुलखान सिंह नामधारी, प्रवीण खेड़ा जी ,अनिल तायल,पंकज अपवेजा जी ,अनिल नामदेव जी, संजीव कुमार, अजय कुमार गुप्ता, प्रमोद कुमार अग्रवाल, संदीप मित्तल, तेजपाल सिंह, पंकज मित्तल, विनोद किंगर, अंकुर जैन, दीपक कुमार, दिनेश गिरी, प्रमोद कुमार त्यागी, मनोज गोयल, रविंदर कुमार, अन्नपूर्णा देवी, प्रशांत जुनेजा, अलका शर्मा जी ,पूनम शर्मा जी ,अभिजीत गंभीर जी, शोभित सिंघल जी, अमित मित्तल जी ,मनोज गुप्ता जी, शलभ गर्ग जी, अंजू शर्मा जी, मनी पटपटिया, रूपम शुक्ला, रितु त्यागी, नीरज गौतम, पंकज गोयल, रेनू चौधरी, अनिशा भटनागर जी इत्यादि व्यापारी गण उपस्थित रहे।

सेवा, संकल्प और सरोकार के प्रतीक: श्री पी.वी. रामा शास्त्री को सम्मानपूर्ण विदाई!

मुजफ्फरनगर। कुछ लोग पद से बड़े होते हैं, और कुछ अपने पद को बड़ा बना देते हैं। उत्तर प्रदेश की जेल व्यवस्था के वर्तमान महानिदेशक श्री पी. वी. रामा शास्त्री उन बिरले अफसरों में से हैं, जिन्होंने अपने कार्य, दृष्टिकोण और ईमानदारी से प्रशासनिक सेवाओं को गौरव प्रदान किया है।

उनके रिटायरमेंट के इस अवसर पर हम न केवल एक सक्षम अधिकारी को विदाई दे रहे हैं, बल्कि एक संकल्पित, दूरदर्शी और मानवीय सोच वाले नेतृत्व को भी सैल्यूट कर रहे हैं।

हाल ही में मुजफ्फरनगर आगमन के दौरान और पूर्व में लखनऊ में श्री शास्त्री जी से मेरी मुलाक़ात हुई। बातचीत के कुछ ही पलों में यह साफ़ हो गया कि वे केवल एक सख्त अधिकारी नहीं, बल्कि एक ऐसे इंसान हैं जिनमें गहरी संवेदनशीलता, स्पष्ट दृष्टि और देशभक्ति की सच्ची भावना बसी हुई है। उनके विचारों में स्पष्टता थी, दृष्टिकोण में संतुलन था और सबसे महत्वपूर्ण दिल में लोगों के लिए सच्ची चिंता थी।

वो मुलाकातें भले ही औपचारिक थीं, लेकिन उसका असर गहराई तक गया। मैंने एक ऐसे अधिकारी को सामने देखा, जो अपने पद के वजन

से नहीं, बल्कि अपने कर्मों से ऊँचा था।

उत्तर प्रदेश की जेलों में सुधार कोई आसान कार्य नहीं था। यह व्यवस्था वर्षों से जड़ता, उपेक्षा और असंवेदनशीलता की शिकार रही थी। लेकिन श्री शास्त्री जी ने जैसे इसे नई ऊर्जा, नई सोच और नए मूल्यों से सींचा। उनके नेतृत्व में जेलें मात्र सजा की जगह नहीं, बल्कि सुधार, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के केंद्र बनीं।

उन्होंने तकनीक का उपयोग कर जेलों में पारदर्शिता लाई, कैदियों के लिए शिक्षा, कौशल विकास, योग और मानसिक स्वास्थ्य जैसे कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी। उन्होंने यह साबित कर दिखाया कि दंड प्रणाली में भी दया और विकास की गुंजाइश होती है।

उनकी छवि हमेशा एक कड़क लेकिन निष्पक्ष अधिकारी की रही। वे अनुशासन के मामले में किसी समझौते के पक्षधर नहीं थे, पर साथ ही वे हर फैसले में इंसानियत को पहले रखते थे। यही संतुलन उन्हें आम अफसरों से अलग बनाता है। उनकी बेदाग छवि, ईमानदारी, और कर्तव्यनिष्ठा ने उन्हें न केवल कर्मचारियों का, बल्कि उच्चाधिकारियों और जनता का भी गहरा सम्मान दिलाया।

उनके कार्यकाल की उपलब्धियाँ केवल कागज़ों में नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई दीं। राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें अनेक पुरस्कार व सम्मान प्राप्त हुए। पर इन सबसे बड़ी उपलब्धि शायद यह रही कि उन्होंने एक नई सोच को जन्म दिया, कि जेलें केवल सजा की जगह नहीं, समाज के पुनर्निर्माण का अवसर भी हो सकती हैं।

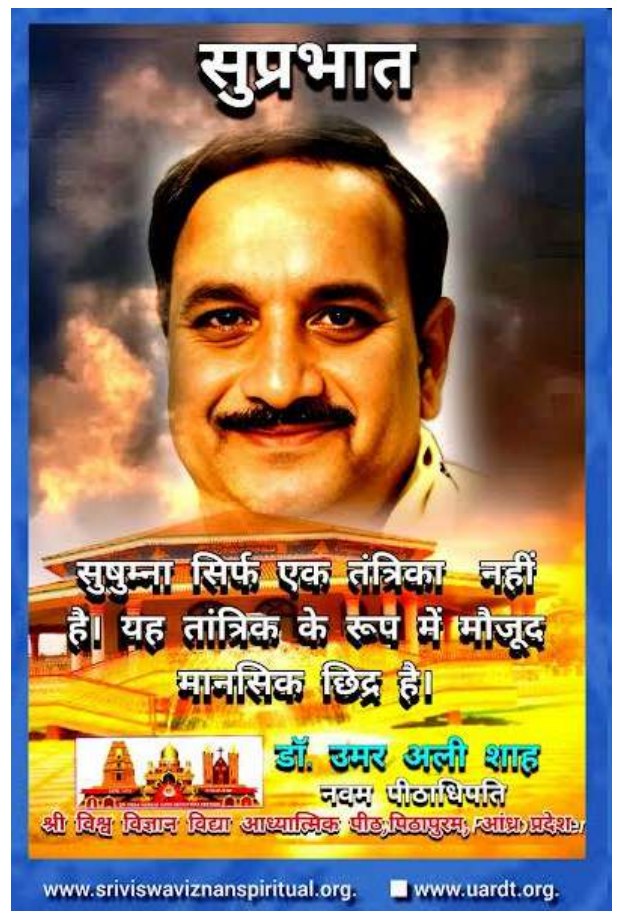

छुट्टी का फरमान

(कुण्डलिया)

टीचर ने जारी किया,छुट्टी का फरमान।
बच्चे हर्षित हो गए, लगे बनाने प्लान।
लगे बनाने प्लान, पर्वतों पर जाने का।
खीरा, ककड़ी साथ, आम को भी खाने का।
सुन लो कहें प्रदीप, खींच गरमी का फीचर।
होगें तब तैयार, तुम्हारे मम्मी–टीचर।।

गरमी में सूरज चचा, नहीं दिखाओ ताव।
वर्ना तुमको छोड़कर, जाऊँ शिमला—गाँव।
जाऊँ शिमला—गाँव,जहाँ बर्फीले पर्वत।
करते सबसे प्यार, नहीं लेते हैं दौलत।
सुन लो कहें प्रदीप,देख मौसम की नरमी।
पर्वत के ही बीच,गुजारो प्यारे गरमी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

बांस शिल्पी महासंघ की बैठक, संगठन को मजबूत बनाने पर हुई चर्चा

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में राष्ट्रीय बांस शिल्पी महासंघ की बैठक राष्ट्रीय महासचिव राकेश कुमार बेनबंसी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश के जौनपुर, मिर्जापुर, बनारस, बाराबंकी, सुल्तानपुर, आजमगढ़ और लखनऊ से बुद्धिजीवी और समाजसेवी शामिल हुए। बैठक में सदस्यों ने राष्ट्रीय बांस शिल्पी महासंघ को एक समावेशी संगठन बताया। यह किसी एक व्यक्ति के नाम पर नहीं, बल्कि पूरे समुदाय की पहचान का प्रतीक है। संगठन की राष्ट्रीय पहचान बनाने के लिए इसे मजबूत करने पर जोर दिया गया। संगठन को प्रभावी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। नए पदाधिकारी बनाए जाएंगे। संपर्क अभियान तेज किया जाएगा। राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सक्रिय और मेहनती लोगों को जोड़ा जाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष कुमार धरकार ने समाज को जागरूक करने और अधिकारों के प्रति सजग करने की आवश्यकता बताई। बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संदीप बेनवंशी, महेंद्र बेनबंसी, कुंवर बहादुर सिंह, राकेश बेनबंसी, प्रदीप कुमार, मुकेश साजन और कौशलेंद्र बंसल सहित कई प्रमुख सदस्य मौजूद रहे।

महिला सिपाही ने लगाई फांसी

लखनऊ, संवाददाता। गाजीपुर थाना क्षेत्र के ए ब्लॉक में महिला सिपाही ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला कई सालों से ए ब्लॉक के किराए के मकान में रहती थी।आज मंगलवार सुबह उनका शव फंदे से लटकता मिला। महिला सिपाही का नाम ऋतु बताया जा रहा है। एसआई गीता भी किराए पर रहती हैं। सुबह गीता कमरे में गई तो अंदर से दरवाजा नहीं खुला। काफी काफी देर जवाब नहीं मिला तो करीब 9 बजे पुलिस को सूचना दी।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.)/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते हैं– क्रम सं.-1, कार्य का नामः बमई/1/वाराणसी कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत एलएचएसडब्लू से संचित पानी की निकासी का कार्य। ई-निविदा सूचना सं: एनईआर-बीएसबी-2025-62, अनुमानित लागत (रू०में): ₹ 62,32,601/-, अमानत राशि (बिड सिक्योरिटी) (रू०में): ₹ 1,24,700/-, निविदा बन्द होने की तिथि: 17-06-2025, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 06 माह।

• निविदा सूचना संख्या एनईआर-बीएसबी-2025-62 दिनांक 17-06-2025 को 14:30 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के वेबसाइट *www.ireps.gov.in* पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इन्जी.), वाराणसी
मुजाधि/डब्लू-84

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्याः 25/23 — दिनांकः 23.05.2025

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज (आई.एस. ओ. 9001:2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	70254362ए	सॉफ्ट ब्लैंकेट	45,133 नग	19.06.2025
2	70252680	डेकोरेटिव थर्मोसेटिंग सिंथेटिक	4500 नग	12.06.2025
3	38252621	कप्लर बॉडी विद शैंक वियर प्लेट	7918 नग	18.06.2025
4	30252601	हाई टेन्साइल टाईट लॉक सेंटर बफर कप्लर	312 नग	24.06.2025
5	63245775	मैनुफक्चेरिंग एंड सप्लाय ऑफ एस जी सी आई इंसर्ट टू आर डी एस ओ ड्राविंग न. टी-6901 & टी-381	121500 नग	23.06.2025
6	20251627	कम्यूटेटर असेंबली कम्पलीट	17 नग	23.06.2025
4	आरसी12कोर5025	12 कोर सिगनलिंग केबल साइज 12 x 1.5 एस क्यू एम एम	7612 कि.मी.	23.06.2025
8	38251438	वाईड जॉ एडप्टर	20245 नग	17.06.2025
9	38251627	एडप्टर (नैरो जॉ)	42041 नग	17.06.2025

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र मे कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नही किया जाएगा। 900/25(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

ईडी की विश्वसनीयता

यह कोई नई बात नहीं है कि देश की जांच एजेंसियों पर सरकार की आकांक्षाओं के अनुरूप कार्य करने को लेकर विपक्षी राजनीतिक दलों की तरफ से पक्षपात के आरोप लगे हों। सरकारी जांच एजेंसियों को वे विपक्ष के नेताओं को डराने–धमकाने का हथियार बताते रहे हैं। अब इन्हीं चिंताओं और सवालों पर देश की शीर्ष अदालत ने भी मोहर लगाई है। विपक्षी नेता खासकर धनशोधन निरोधक अधिनियम के तहत की जा रही कार्रवाइयों पर रोक लगाने की गुहार लगाते रहे हैं। उनका आरोप रहा है कि प्रवर्तन निदेशालय सरकार के हितों की पूर्ति के लिये दुराग्रह से कार्रवाई करता है। हालांकि, अदालत का मानना रहा है कि भ्रष्टाचार,देशविरोधी गतिविधियों तथा आतंकवादी संगठनों को मदद पहुंचाने वालों के खिलाफ कार्रवाई अतार्किक नहीं है। सवाल इस बात को लेकर भी उठते रहे हैं जितने आरोप पत्र ईडी द्वारा दायर किए जाते हैं, उसकी तुलना में दोषसिद्धि की संख्या में बेहद ज्यादा अंतर क्यों है। जो इस बात की ओर इशारा करता है कि मामले दुराग्रह से प्रेरित होते हैं। अदालत भी मानती है कि ठोस प्रमाण के बिना किसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। लेकिन एक हालिया मामले में प्रवर्तन निदेशालय की कारगुजारियों पर कोर्ट ने उसे कड़ी फटकार लगाते हुए सीमाएं लांघकर संघीय ढांचे के अतिक्रमण करने की बात कही है। कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु में शराब की दुकानों के लाइसेंस देने में बरती गई कथित धांधली में राज्य विपणन निगम के विरुद्ध धनशोधन मामले में ईडी की जांच पर की है। दरअसल, निगम द्वारा शीर्ष अदालत में मामला ले जाए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने न केवल जांच रोकी बल्कि ईडी की कारगुजारियों पर सख्त टिप्पणियां भी की हैं। निस्संदेह, ईडी को इस सुप्रीम नसीहत पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। कोर्ट को यहां तक कहना पड़ा कि प्रवर्तन निदेशालय संघीय अवधारणा का उल्लंघन कर रहा है। उल्लेखनीय है कि पीएमएलए की धाराओं के दुरुपयोग को लेकर शीर्ष अदालत पहले भी ईडी के खिलाफ सख्त टिप्पणी कर चुकी है। निस्संदेह, अदालत की इस सख्त टिप्पणी से उन तमाम विपक्षी दलों को संबल मिलेगा जो आए दिन ईडी व अन्य जांच एजेंसियों का सत्तापक्ष द्वारा दुरुपयोग करने का आरोप लगाते थे। वहीं दूसरी ओर तमिलनाडु राज्य विपणन निगम की दलील थी कि जिन शराब की दुकानों के लाइसेंस देने में अनियमितताओं के मामले में ईडी ने हस्तक्षेप किया है, उसमें वर्ष 2014 से कार्रवाई की जा रही है। साथ ही इस मामले में चालीस से अधिक प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं। वहीं निगम कई मामलों में शिकायतकर्ता है। ऐसे में इस मामले में ईडी के कूदने पर सवाल उठे हैं। यही वजह है कि कोर्ट ने ईडी की इस जांच पर रोक लगा दी है। उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु सरकार भी ईडी की कार्रवाई को संवैधानिक अधिकारों व संघीय ढांचे का उल्लंघन बताती रही है। विश्वास किया जाना चाहिए कि कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद ईडी केंद्र की इच्छाओं के अनुरूप आंख बंद कर कार्रवाई करने की बजाय अपनी कार्यशैली में अपेक्षित परिवर्तन करेगी।

राहुल गांधी से भाजपा की चिढ़ का कारण

डॉ. दीपक पाचपोर

राहुल गांधी ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी सेना के शौर्य की सराहना की। मगर प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा पहलगाम हमले से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक इसी कोशिश में लगे रहे कि कैसे भी करके इसका सियासी फायदा लिया जाए।

राहुल गांधी से भाजपा की नफरत क्यों करती है, क्यों उनके हर काम से, हर कदम से भाजपा को आपत्ति होती है, इसका एक बड़ा कारण शनिवार को सामने आया, जब राहुल जम्मू–कश्मीर के पुंछ पहुंच गए। जिस समय राहुल पुंछ में पाक की गोलीबारी में मारे गए लोगों के परिजनों से मिल रहे थे, उजड़े हुए घरों को देख रहे थे, बेरौनक आंखों में भरे हुए दर्द को समझने और बांटने की कोशिश कर रहे थे, लोगों को हिम्मत बंधा रहे थे कि उनका दुख अनसुना नहीं रहेगा, वो राष्ट्रीय स्तर तक उनकी आवाज उठाएंगे, प्रधानमंत्री के सामने उनकी पीड़ा को बयां करेंगे, उस समय श्री मोदी राजधानी दिल्ली में नीति आयोग की बैठक ले रहे थे, जिसमें 2047 के विकसित भारत का रोडमैप बनाने की बातें हो रही थीं। फर्क जाहिर है राहुल गांधी आज 2025 के भारत में जो कुछ हो रहा है इसकी फिक्र कर रहे हैं, लेकिन श्री मोदी आज से 25 साल बाद के भारत की बात कर रहे हैं। मान लिया कि अच्छे राजनेता को दूरदृष्टा होना चाहिए, लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि पास की चीजें नजर ही न आएं। 2047 में भारत कैसा रहेगा, इसकी तैयारी अभी के हाल पर निर्भर करती है। और अभी का हाल ऐसा है कि नरेन्द्र मोदी जैसे कभी मणिपुर नहीं गए, वैसे ही उन्होंने जम्मू–कश्मीर जाने की जहमत नहीं उठाई। हालांकि इस बीच प्रधानमंत्री बिहार, केरल, तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान तमाम राज्यों में हो आए हैं। जबकि राहुल गांधी पहलगाम हमले के फौरन बाद अपनी विदेश यात्रा अधूरी छोड़कर वापस आए, श्रीनगर गए, इसके बाद कानपुर और करनाल जाकर भी पीड़ित परिवारों से मिले। राहुल गांधी ने शुरु से पहलगाम हमले को लेकर काफी संयम, समझदारी और संवेदनशीलता दिखाई है। जब आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में साथ एकजुटता दिखाने की जरूरत थी, तो बतौर नेता प्रतिपक्ष उन्होंने कहा कि सरकार जो चाहे फैसला ले, हम साथ हैं। सरकार की तरफ से दो बार बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में भी राहुल शामिल हुए, जबकि प्रधानमंत्री होने के बावजूद नरेन्द्र मोदी ने इन बैठकों से दूरी बनाए रखी। राहुल गांधी ने इस पर भी सवाल नहीं किए, बस उन्होंने संसद का विशेष सत्र बुलाने की सलाह दी, ताकि दुनिया को मजबूती का संदेश दिया जा सके। राहुल गांधी ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी सेना के शौर्य की सराहना की। मगर प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा पहलगाम हमले से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक इसी कोशिश में लगे रहे कि कैसे भी करके इसका सियासी फायदा लिया जाए। धर्म पूछा जाति नहीं जैसी पोस्ट भाजपा ने सोशल मीडिया पर डाली, ऑपरेशन सिंदूर के बाद सैन्यवर्दी में नरेन्द्र मोदी का आदमकद पोस्टर लगाया गया, मानो वही लड़ाकू विमान लेकर पाकिस्तान तक गए थे। इतना सब काफी नहीं था, जो अब नरेन्द्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर को भी अपनी निजी उपलब्धि की तरह पेश कर रहे हैं। राजस्थान में उनका दिया भाषण इसका सबूत है, जिसमें उन्होंने मेरी रगों में लहू नहीं गर्म सिंदूर दौड़ता है जैसा घटिया फिल्मी संवाद कहा। देश ने पहला ऐसा प्रधानमंत्री देखा है, जो अपनी शारीरिक संरचना को लेकर भी बार–बार बयान बदल सकता है। एक साल पहले तक श्री मोदी कह रहे थे मैं नॉनबायलॉजिकल हूं, अब अपनी रगों में गर्म सिंदूर बहने का दावा उन्होंने किया है, लेकिन 2014 में नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि मेरे खून में लोकतंत्र है, इसी साल उन्होंने ये भी कहा था कि मेरे खून में व्यापार है, एक बार वे अपने खून में धर्मनिरपेक्षता को भी बता चुके हैं और अब 2025 में उनकी रगों में बहने वाली चीज फिर बदल गई है। इन दावों को सुनकर तो यही लगता है कि सबसे पहले प्रधानमंत्री अपने सामान्य इंसान होने का सबूत ही दे दें। क्योंकि देश को सामान्य भावनाएं रखने वाला नेतृत्व ही चाहिए, जो साधारण लोगों की तकलीफों को समझ सके। नरेन्द्र मोदी ने जितना खुद को विशिष्ट और दैवीय बताने की कोशिश की, उतना वे जनता से कट चुके हैं, ये अब नजर आ रहा है। इसलिए उनसे न गृह नीति, अर्थनीति संभाली जा रही है, न विदेश नीति। ऐसे में राहुल गांधी अगर पूछते हैं कि क्या जेजे बताएंगे कि भारत को पाकिस्तान के साथ क्यों जोड़ दिया गया है? पाकिस्तान की निंदा करने में एक भी देश ने हमारा साथ क्यों नहीं दिया? डोनाल्ड ट्रंप से भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने के लिए किसने कहा? तो भाजपा उसका बुरा मानकर राहुल गांधी को देशविरोधी बताती है। ज्ञात हो कि राहुल गांधी ने इस बार विदेश मंत्री जयशंकर से सवाल पूछे हैं, उन्होंने जेजे किस संदर्भ में कहा इस पर भी सियासी घमासान मचा है। ऐसे ही सवाल वे नरेन्द्र मोदी से भी पूछ चुके हैं, मगर जवाब देने की जगह सवालों को ही गलत ठहराया जा रहा है। हालांकि मोदी सरकार का तो पूरा कार्यकाल ही जवाबदेही से बचने का रहा है। 15 लाख हर खाते में क्यों नहीं आए, नोटबंदी से भ्रष्टाचार और आतंकवाद खत्म क्यों नहीं हुआ, जीएसटी के कारण छोटे व्यापारियों को परेशानी क्यों हो रही है, लॉकडाउन का फैसला लेने से पहले प्रवासी मजदूरों के बारे में सरकार ने क्यों नहीं सोचा, जब कोरोना से हाहाकार मचा था, तब नमस्ते ट्रंप का भव्य आयोजन क्यों हुआ, महाकुंभ में मची भगदड़ में कितने लोग मारे गए, रेलवे की हालत बदतर क्यों हो रही है, किसानों को एमएसपी का वादा कब पूरा होगा, अडानी–अंबानी के पास ही देश के सारे संसाधन क्यों जा रहे हैं, पुलवामा के दोषी कहां हैं, मणिपुर में हालात कब सामान्य होंगे, पहलगाम के आतंकी अब तक पकड़े क्यों नहीं गए, ऐसे सवालों की लंबी सूची है, लेकिन जवाब नदारद है। मुख्यधारा का मीडिया भी सरकार से सवाल नहीं पूछता, न ही राहुल गांधी की खबरों को ज्यादा हिस्सा देता है। बल्कि कई बार झूठी खबरें पेश करता है। लेकिन राहुल गांधी अविचलित देश की सुरक्षा से लेकर लोगों के कष्ट, भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई, विदेश नीति में बरती जा रही लापरवाही सब पर सरकार से सवाल कर रहे हैं और साथ में गरीबों, दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों, महिलाओं के हक की बात भी कर रहे हैं। राहुल वो सब कर रहे हैं जो प्रधानमंत्री को करना चाहिए, भाजपा इसी लिए राहुल से परेशान है।

अमिट छाप– 'जिंदगी के साथ भी– जिंदगी के बाद भी'

आइये आज हम स्वयं के लिए एक प्रगतिशील पाथेय निर्मित करें –इस सार्थक प्रयास के लिए सबसे पहले ये जानें कि, क्या आपने अपनी प्रतिभा को जानने की कभी कोशिश की है ? क्या आपने स्वयं को परखने की चेष्टा की है ? यदि नहीं तो यह प्रयोग क्यों ना अविलंब आज से ही प्रारंभ करें, हां थोड़ा वक्त लगेगा किंतु आप महसूस करेंगे कि अपनी ही दृष्टि से आत्म आंकलन करना कितना रुचिकर है, और अपने जीवन को मूल्य देने के लिए कितना आवश्यक भी।

हाँ सबसे पहले क्रोध, आवेश, आलस्य,अहम आदि बुरे विचारों को किनारे कर दें, इसी तरह विचारों की संकीर्णता ,दूसरों को दोष देने की प्रवृत्ति यह भी हमारे तंद्रा को भंग कर देती है और हमारे आत्मनिरीक्षण के काम में रुकावट आ जाती हैं। अब आप कहेंगे यह तो बहुत बोरियत का काम है, हां मैं स्वीकार करती हूं, लेकिन परिणाम सुखद होंगे, प्रभावशाली होंगे ,तो आपको भी आनंद आने लगेगा , यह अभ्यास आप प्रतिदिन नहीं तो हफ्ते या महीने में भी कर सकते हैं।

आप पूछेंगे करना क्या है ? जवाब है आप शांत चित होकर बैठ जाएं या लेट जाएं, मन के सब विचारों को हटाकर स्वयं की अच्छाइयों और बुराइयों को स्वीकार करने की कोशिश करिए, स्वयं की प्रतिभा चाहे वह जिस विषय पर भी हो चित्रकारी,संगीत ,लेखन ,खेल, खाना बनाना ,आदि और भी विषय हो सकते हैं,उन्हें जाने। अब स्वयं से कहें ष्मैं बहुत प्रतिभावान हूं ,और मुझ में अभी और भी प्रतिभा है जो पारिवारिक जिम्मेदारियां में कहीं खो गई थी ,उसे मुझे पुनः जागरूक करना है , साथ ही स्वयं से सवाल करें,और किस क्षेत्र में मुझे अग्रसर होना चाहिए? मैं काम को कैसे और सुंदर ढंग से कर सकता हूं या सकती हूं? निरीक्षण करें, प्रतिदिन अपने रुचि के काम में मैं कितना समय देता हूं? और दे सकता हूँ, मैं कैसे उस काम में स्थिर रह कर ध्यान दूं?और दिनचर्या में शामिल करू, फिर आप स्वयं की आवाज सुने कि आपको मन किस दिशा में प्रेरित कर रहा है ,गहनता से समझें।

यह तो है सकारात्मक विषय अब हमें नकारात्मक पहलू को भी देखना है ष्हममें बुराइयां क्या है? हम कितना समय ब्यर्थ गवां रहे हैं? उसका बुरा प्रभाव आपके व्यक्तित्व ,आपके संबंधों, आपके कार्यों को कितना प्रभावित कर रहा है?? प्रत्येक प्रतिक्रिया का सुक्ष्म निरीक्षण करते रहें ,मन के वेग के साथ बहना नहीं है, बल्कि शिथिल होकर उसे महसूस करें, यदि बुराइयों को धीरे–धीरे कम करने पर आपके व्यक्तित्व में परिवर्तन आ सकता है ,आप प्रभावशाली हो सकते हैं ,तो उस पर विचार करें । और बस यही अभ्यास जब भी समय मिले दोहराए चाहे दिन हो या रात जरूरी नहीं की रोज दोहराएं।

धीरे–धीरे यह विश्वास जागृत होने लगेगाष मैं निर्भीक होकर आगे बढ़ सकता हूं या सकती हूं ,मुझ में अवश्य उन्नति की शक्ति है ,आत्मबल से भरपुर हूँ, आज भी यह संभव है ,और बस यही से आपके जीवन का नया पृष्ठ,नया अध्याय प्रारंभ हो जाता है ।यह मेरा अपना अनुभव भी है ,साथ ही सफलतम व्यक्तियों के संघर्ष भरे जीवन अध्ययन का सार भी। यकीन मानिए किसी भी समय अगर आपकी विचारधारा बदली, आपने स्वयं को पहचान लिया, और आप वैचारिक परिवर्तन पर अमल करने लगे, आप एक उन्मुक्त आकाश में उड़ने तैयार हो चुके होंगे, आपकी प्रतिभा आपको जीवन उत्कर्ष की उस शिखर की ओर अग्रसर कर देगी जिसकी कल्पना भी आपने नहीं की है, आपका परिवार, आपके बच्चे आपके दोस्त, आपकी प्रतिभाऔर आपके कार्य क्षमता को देखकर स्वयं को गौरवान्वित महसूस करेंगे। बस शर्त और निवेदन भी यही है कि आप विलंब ना करें वक्त आपको संकेत देकर अपनी गति से बह रहा है आप भी उस गति के साथ बह निकलें।

यदि आप अब तक अंतिम निर्णय ले चुके हों और स्वयं के प्रति श्रद्धा जाग गई हो , तो चट्टान की तरह दृढ़ रहें, निर्भय होकर जारी रहें, व्यवधान भी आयेंगे निराशा, ग्लानि , चिंता जो तुम्हें बरबस निकृष्टता की ओर खींचेंगे , तुम्हें लक्ष्य की ओर गतिशील रहना है । याद रखें आज तक सफलता के लिए स्वर्णपथ या किसी अलग तरह के पथ का निर्माण नहीं हुआ है, निर्माण स्वयं को करना है ,अवसर ढूंढते रहेंगे तो कभी सफल नहीं हो सकेंगे, सिद्धि बाजार में नहीं बिकती ना हीं धन से खरीदा जा सकता है।

माना कि आज डिग्रियां या किसी भी क्षेत्र में प्रमाण पत्र पैसों में उपलब्ध है ,इसका बाजार भी सजा हुआ है और जोरों शोरों पर है, किंतु एक बार, दो बार ,तीन बार ,या और भी ..किंतु आपकी योग्यता आपका परिचय दे देती है, हो सकता है आपकी जितनी योग्यता है, लोग समय पर ना पहचान सके लेकिन निश्चित ही एक न एक दिन आपकी सतत साधना, आपके अथक प्रयास का प्रतिफल आपको अवश्य मिलेगा'अमिट छाप– जिंदगी के साथ भी– जिंदगी के बाद भी।

डा. संगीता बनाफर
अध्यक्ष विश्व हिंदी परिषद
शैक्षणिक प्रकोष्ठ
बिलासपुर छत्तीसगढ़

राहुल के पुंछ दौरे के बाद मोदी से उनकी सीधी तुलना!

शकील अख्तर

क्या यह बात सही साबित हो रही है कि यथा प्रजा तथा राजा! सिद्धान्तरू यह बात नहीं मानी जाना चाहिए। एक तो राजशाही की कहावत है। कर्मों के फल के सिद्धांत से बनी है। दूसरे शासक से ज्यादा जनता को आरोपित करती है। लोकतंत्र में जनता ही सर्वोच्च होती है। लेकिन आज जो दिख रहा है वह ऐसा लगता है कि जैसे हम लोग ही, जनता ही राहुल के योग्य नहीं हैं!हम इसी को डिजर्व करते हैं जो पहलगाम के बाद हो रहा है। 11 साल में बड़ी–बड़ी घटनाएं हुईं। मगर कोई बड़ी नाराजगी, गुस्से, आक्रोश की लहर नहीं दिखी। बड़ी घटनाओं से आशय उनसे नहीं जिसे मोदी महत्व ही नहीं देते। जैसे नोटबंदी, कोरोना में सरकार का हाथ खड़े करना या बेरोजगारी, महंगाई, सरकारी चिकित्सा, शिक्षा खतम करना और दूसरे तमाम आर्थिक रोजमर्रा की जिन्दगी से जुड़े सवाल। बड़े मामले वह जो मोदी के कोर इशु राष्ट्रवाद से जुड़े हैं। जिस राष्ट्रवाद के नाम पर बड़े–बड़े शब्दों का इस्तेमाल करके, काल्पनिक आशंकाएं दिखाकर वे हर बार वोट लेते हैं। भैंस छीन ले जाने से लेकर मंगलसूत्र छीन ले जाने तक। और वह मंगलसूत्र उन्हीं के राज में एक साथ 26 महिलाओं का छिन गया। पहलगाम। 370 हटाने से आंतकवाद खत्म हो गया है और उससे पहले नोटबंदी से हो गया था। बहुत सारी बातें। लोगों को खुद याद करना चाहिए। तो ऐसी बड़ी बातें कोई सुरक्षा कवच तो बनाती नहीं केवल लोगों के मन में मोदी की बड़ी और बड़ी शक्ति को ही स्थापित करने की कोशिश करती हैं। मोदी का सारा जोर ऐसी ही बातों पर होता है। अभी आपने देखा गरम सिंदूर अपने लहू में बता दिया! तो यह जो कोर इशु है राष्ट्रवाद वह जब छद्म राष्ट्रवाद में भी परिवर्तित हो जाता है तब भी जनता की आंख नहीं खुलना चिन्ता की बात है। और पहलगाम ही घटना नहीं है। पहलगाम तो शुरूआत थी। उसके बाद अचानक सीजफायर सबसे बड़ा झटका था। वाकई इतना बड़ा कि 11 साल में बने अंध भक्त भी हिल गए। बीजेपी और आरएसएस में भी बैचेनी फैल गई। अमेरिका की मध्यस्थता नहीं। सीधा आदेश। प्रेसिडेन्ट ट्रंप यह कहते हुए दिखे कि मैंने दोनों से कह दिया कि युद्ध बंद करो। नहीं तो मैं बिजनेस बंद कर दूंगा। स्टाप इट . . . स्टाप इट साफ कहते दिखे। दोनों को एक समान मानकर। एक बार भी आतंकवादी नहीं कहा। अब तो लोगों ने शायद गिनना भी बंद कर दिया।

सांप्रदायिक राजनीति से लड़ते हुए लोकतंत्र के लिए संघर्ष जरूरी

पी सुधीर

इस तथ्य के बावजूद कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहलगाम में बैसरन घाटी में हुई भीषण हत्याओं पर भारत की संभावित प्रतिक्रिया पर चर्चा करने के लिए संसद में बुलाई गयी दो सर्वदलीय बैठकों से स्वयं को दूर रखने का फैसला किया, जिसका असली कारण तो केवल उन्हें ही पता है, पर इन बैठकों में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने भाग लिया। सभी उपस्थित दलों के नेताओं ने लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी), जो कि संबंधित संयुक्त राष्ट्र एजेंसी द्वारा नामित एक आतंकवादी संगठन है, से जुड़े आतंकवादियों द्वारा की गयी आतंकी हत्याओं की स्पष्ट रूप से निंदा की। उन्होंने प्रतिक्रिया में उचित कदम उठाने में सरकार को अपना समर्थन भी दिया। युद्ध विराम की घोषणा तक यह आम सहमति बनी रही। सभी पक्षों ने सैन्य मुठभेड़ समाप्त होने तक कोई भी सवाल उठाने से परहेज किया। यह इसके बावजूद कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एकतरफा घोषणा कि उन्होंने और उनके प्रशासन ने युद्ध विराम के निर्णय में मध्यस्थता की और उसे आगे बढ़ाया। फिर उसके बाद ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि भारत और पाकिस्तान दोनों को व्यापार परिणामों की धमकी के तहत युद्ध विराम के लिए दबाव डाला गया था। वह न केवल आश्चर्यजनक था, बल्कि शिमला समझौते में निहित सिद्धांतों का उल्लंघन भी था। बातचीत के माध्यम से समाधान के परिणामस्वरूप हुए उस समझौते ने दोनों देशों को चर्चा के माध्यम से सभी विवादास्पद मुद्दों को द्विपक्षीय रूप से हल करने के लिए प्रतिबद्ध किया था। इसके बावजूद, पाकिस्तान ने लगातार कश्मीर मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण करने का प्रयास किया है। यदि राष्ट्रपति ट्रंप के दावों को सच मान लिया जाये, तो उनका अर्थ होगा कि कश्मीर मुद्दे का वास्तव में अंतरराष्ट्रीयकरण हो चुका है – एक निहितार्थ जो रणनीतिक और कूटनीतिक परिणामों से भरा हुआ है। हालांकि भारतीय अधिकारियों और सरकार ने दावा किया है कि युद्ध विराम द्विपक्षीय चर्चाओं का परिणाम था, इन दावों की सत्यता के बारे में काफी भ्रम, यदि वास्तविक संदेह नहीं हो तो भी, बना हुआ है। इस प्रमुख मुद्दे के अलावा, अन्य मामले भी थे जिनके लिए आधिकारिक स्पष्टीकरण की आवश्यकता थी –विशेष रूप से सैन्य मुठभेड़ से जुड़ी रिपोर्टों के संबंध में। मुख्यधारा के मीडिया द्वारा विचित्र और अपुष्ट दावों के प्रचार को देखते हुए यह विशेष रूप से आवश्यक हो गया था। इनमें से कुछ रिपोर्ट, विशेष रूप से 8 मई की रात को प्रसारित की गयी, जो इतनी अपमानजनक थीं कि भारतीय मीडिया को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के अधिकांश लोगों द्वारा कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा। इन गलत बयानों ने अंततरू हमारे राष्ट्रीय हितों को चोट पहुंचाई। इस प्रकार, युद्ध विराम के बाद, संसद के पटल पर सरकार द्वारा एक प्रामाणिक बयान एक तत्काल आवश्यकता बन गई। इसके अतिरिक्त, जब पाकिस्तान के एक अरब डॉलर के ऋण के अनुरोध को बिना किसी आपत्ति या देरी के आईएमएफ के प्रबंधन बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया, तब यह स्पष्ट रूप से एक कूटनीतिक विफलता थी। इस संदर्भ में संसद के एक विशेष सत्र का आयोजन तत्काल महत्व रखता है। सरकार द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान, जिसके बाद सदन में एक संरचित बहस होती,और जो एक सच्ची राष्ट्रीय सहमति बनाने की अनुमति देता। इस तरह के एक कदम से पारदर्शिता और राजनीतिक परिदृश्य में कई और विविध दृष्टिकोणों का एकीकरण भी सुनिश्चित होता। परिभाषा के अनुसार, राष्ट्रीय सहमति थोपी या निर्मित नहीं होती है – इसे लोकतांत्रिक जुड़ाव के माध्यम से विकसित होना चाहिए। इस विकास में भिन्न दृष्टिकोणों की अभिव्यक्ति एक महत्वपूर्ण घटक है। फिर भी, अपने ही ज्ञात कारणों से, सरकार ने विशेष सत्र की मांग पर सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं देने का फैसला किया। इसके बजाय, उसने मान लिया कि आतंकवाद और उसके प्रायोजकों की निंदा करने में राजनीतिक दलों का समर्थन व्यापक राष्ट्रीय सहमति के रूप में प्रदर्शित किया जा सकता है। सैन्य मुठभेड़ के दौरान, आधिकारिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में से एक में, विदेश सचिव ने एक पाकिस्तानी नेता की टिप्पणी का सही जवाब दिया कि भारतीय अपनी सरकार की आलोचना करते हैं। विक्रम मिसरी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत एक जीवंत लोकतंत्र है जहां सरकार लोगों के प्रति जवाबदेह है। वास्तव में, भारत का संविधान और इसका धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य घरेलू और बाहरी दोनों तरह की चुनौतियों का सामना करने में हमारी प्रमुख ताकत है। राष्ट्रीय सम्मान का यह क्षण एक बार फिर से उन ताकतों की पुष्टि करने का एक महत्वपूर्ण अवसर था, ताकि एक वास्तविक राष्ट्रीय सहमति विकसित करने के लिए उचित, पारदर्शी और लोकतांत्रिक बहस में शामिल होकर ऐसा किया जाता। इस पृष्ठभूमि में, सरकार ने कूटनीतिक पहुंच बढ़ाने के साधन के रूप में राजनीतिक एकता दिखाने का प्रयास किया। लेकिन उचित और समावेशी आम सहमति के बिना, उस कूटनीतिक लाभ को बनाये रखना भी मुश्किल हो जायेगा। फिर भी, भारत की स्थायी ताकत उसके संविधान के मूल मूल्यों में निहित है। सीमा पार आतंकवाद की समकालीन चुनौती का सामना करने में इन्हें नये जोश के साथ पेश किया जाना चाहिए। इसलिए, वर्तमान अनिवार्यता पहचान से प्रेरित सांप्रदायिक राजनीति के सभी रूपों का मुकाबला करते हुए लोकतंत्र के लिए संघर्ष जारी रखना है। ध्रुवीकरण को भड़काने के लगातार प्रयासों के मद्देनजर यह दोगुना महत्वपूर्ण हो जाता है। हालांकि, इस तरह केआतंकवाद के खिलाफ हमारे अभियान को आगे बढ़ाने और भारत को पाकिस्तान से अलग करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों को मजबूत करने की आवश्यकता को कम नहीं करना चाहिए। हमारा लक्ष्य इस महत्वपूर्ण मोड़ पर इन दोहरी अनिवार्यताओं को एकीकृत करना होना चाहिए।

फिर से बड़े पर्दे पर लौटने को तैयार हैं बिपाशा बसु, बोलीं- फिल्में बहुत याद आती हैं

बॉलीवुड एक्ट्रेस बिपाशा बसु एक बार फिर सुर्खियों में हैं। लंबे समय से फिल्मों से दूर रहने के बाद अब उन्होंने अपने कमबैक को लेकर इशारा दिया है। एक इंटरव्यू में बिपाशा ने कहा कि उन्हें फिल्मों की बहुत याद आती है और वे जल्द ही दर्शकों के सामने फिर से नजर आ सकती हैं। हाल ही में जूम के साथ बातचीत में जब बिपाशा से पूछा गया कि क्या वह फिल्मों में वापसी करेंगी, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, "जब आप मुझे देखेंगे, तो आपको पता चल जाएगा। मैं वहां जाकर वे सभी इंटरव्यू दूंगी, जिनके लिए आप लोग मुझसे पूछ रहे हैं।" साफ है कि बिपाशा ने सीधे तो नहीं कहा, लेकिन उनकी बातों से कमबैक के संकेत जरूर मिलते हैं। उन्होंने यह भी माना कि उन्हें फिल्मों की काफी याद आती है। बिपाशा बोलीं,– "हां, मुझे फिल्में बहुत याद आती हैं।"बिपाशा बसु ने यह भी कहा कि वह ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर काम करने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा,–"मैं किसी शो का हिस्सा बनने का इरादा रखती हूं क्योंकि आजकल ओटीटी पर बहुत दिलचस्प कंटेंट बन रहा है।" उनकी इस बात से उनके फैन्स की उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। अब सबको इंतजार है कि बिपाशा किस फिल्म या ओटीटी प्रोजेक्ट के साथ वापसी करती हैं। बिपाशा बसु ने अपने करियर की शुरुआत साल 2001 में फिल्म 'अजनबी' से की थी, जिसमें उन्होंने अक्षय कुमार, करीना कपूर और बॉबी देओल के साथ काम किया था। इसके बाद उन्होंने 'जिस्म', 'नो एंट्री', 'कॉरपोरेट', 'रेस', 'ओमकारा' जैसी कई हिट फिल्मों में दमदार अभिनय किया। अपनी ग्लैमरस छवि और परफॉर्मेंस के लिए वह हमेशा सराही जाती रही हैं। बिपाशा बसु की मुलाकात एक्टर करण सिंह ग्रोवर से 2015 में फिल्म 'अलोन' के सेट पर हुई थी। दोनों की ऑन–स्क्रीन और ऑफ–स्क्रीन केमिस्ट्री काफी चर्चा में रही और फिर 30 अप्रैल 2016 को दोनों ने शादी कर ली। साल 2022 में इस कपल ने अपनी बेटी 'देवी' का स्वागत किया। बिपाशा इन दिनों मां बनने की जिम्मेदारियों और खुशी में डूबी हुई हैं। वह अक्सर अपनी बेटी के साथ क्यूट वीडियो और फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं, जो खूब वायरल भी होते हैं। बिपाशा बसु के इस इशारे के बाद उनके फैन्स में खुशी की लहर है। हर कोई यह जानने को उत्सुक है कि बिपाशा किस नए प्रोजेक्ट में नजर आएंगी, फिल्म या वेब सीरीज? अब सबकी नजरें उनके अगले कदम पर टिकी हैं।

> "बिपाशा से पूछा गया कि क्या वह फिल्मों में वापसी करेंगी, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, "जब आप मुझे देखेंगे, तो आपको पता चल जाएगा। मैं वहां जाकर वे सभी इंटरव्यू दूंगी, जिनके लिए आप लोग मुझसे पूछ रहे हैं।"

भारत के विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने पर अमिताभ बच्चन ने जाहिर की खुशी, देश के अग्निवीरों को भी किया सलाम

भारत आधिकारिक तौर पर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इस मामले में हमारे देश ने जापान को भी पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में देश की इस उपलब्धि पर हर कोई नाज कर रहा है। इसी बीच बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के बढ़ने और दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने पर अपनी खुशी जाहिर की है। अमिताभ बच्चन ने भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर अपे एक्स पोस्ट में खुशी जताई। साथ ही उन्होंने अग्निवीरों का उत्साहवर्धन करते हुए भारतीय सेना को सलाम भी किया। अमिताभ बच्चन न पोस्ट में सबसे पहले जय हिंद और तिरंगे वाली इमोजी से शुरुआत की। उन्होंने लिखा, "भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, जर्मनी और अब भारत। आगामी 2.5 से 03 साल में भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अमिताभ ने आगे सभी देशों की जीडीपी का जिक्र करते हुए लिखा, "संयुक्त राज्य अमेरिका 30.51 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ। चीन 19.23 ट्रिलियन डॉलर के जीडीपी के साथ। जर्मनी 4.74 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ और भारत लगभग 04 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी के साथ। इसके बाद अमिताभ बच्चन ने एक पोस्ट और किया। उन्होंने भारतीय सेना और अग्निवीरों को सलाम किया और भारतीय सैनिकों की कोलाज बनी दो तस्वीरें शेयर की। जिनमें एक फोटो पर अग्निवीर लिखा हुआ है। इस तस्वीर के साथ अमिताभ ने कैप्शन में लिखा, "अग्निवीर जिंदाबाद। जय भारत माता की। जय हिंद।" साथ में उन्होंने तिरंगे वाला इमोजी भी बनाया। आगे एक्टर ने अपने पिता, महान कवि और दिवंगत हरिवंश राय बच्चन के कलेक्शन से कुछ काव्य पंक्तियां भी शेयर की। उन्होंने लिखा– षकिसको दोष दे, और किसको बताऊं अपना दुख, जब मिट्टी मिट्टी के साथ अन्याय करती है ृ हरिवंशराय बच्चन. एक्टर के ये पोस्ट अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं और यूजर्स इस पर कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं।

अक्षरा सिंह को मिला बीजेएएनए यूएसए अवॉर्ड, बोलीं-यह मेरे सपनों की जीत

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री अक्षरा सिंह को हाल ही में अमेरिका में एक खास सम्मान से नवाजा गया है। एक्ट्रेस की प्रतिभा, मेहनत और कला को देखते हुए उन्हें बिहार झारखंड एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (बीजेएएनए यूएसए) द्वारा एप्रिसिएशन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड भारतीय संस्कृति और भोजपुरी सिनेमा में अक्षरा के योगदान को दर्शाता है। इस सम्मान को पाकर अक्षरा सिंह बेहद खुश नजर आईं और उन्होंने सोशल मीडिया पर भी अपने फैंस के साथ इस खुशी को साझा किया। अक्षरा सिंह ने इंस्टाग्राम पर अवॉर्ड लेते हुए अपनी एक फोटो शेयर की। इस फोटो में वह ब्लैक कलर की ड्रेस में नजर आ रही हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में अक्षरा ने लिखा, कभी सोचा नहीं था कि बिहार के एक छोटे से कोने से चलकर अमेरिका की धरती पर अपने राज्य और देश का प्रतिनिधित्व करूंगी। आज जब बीजेएएनए यूएसए से मुझे एप्रिसिएशन अवॉर्ड मिला, तो वह सिर्फ एक अवॉर्ड नहीं था, वह मेरी मेहनत, संघर्ष और सपनों की जीत थी। उन्होंने कैप्शन में आगे लिखा, भारत से इतनी दूर आकर जब लोग बिहार का नाम सम्मान और सराहना के साथ लेते हैं, तो लगता है जैसे वर्षों की तपस्या रंग लाई है। उस मिट्टी से जुड़ाव, जिसने मुझे सब कुछ सिखाया और आज उसी मिट्टी की खुशबू को मैंने अमेरिका तक पहुंचाया। यह अवॉर्ड सिर्फ मेरा नहीं है, यह हर उस लड़की का है जो बड़े सपने देखती है, हर उस इंसान का है जो अपनी जड़ों से जुड़े रहकर आगे बढ़ता है। उन्होंने पोस्ट के आखिर में लिखा, दिल से धन्यवाद बीजेएएनए यूएसए को, इतनी दूर होकर भी अपने लोगों को जोड़ने, पहचान देने और सम्मानित करने के लिए।

आज एक भारतीय, एक बिहारी होने पर पहले से कहीं ज्यादा गर्व महसूस हो रहा है। बीजेएएनए बिहार झारखंड एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (बीजेएएनए) एक गैर–लाभकारी संगठन है, जिसका उद्देश्य बिहार की संस्कृति, शिक्षा, और समुदाय को बढ़ावा देना है।

मीठी नदी घोटाले में एक्टर डिनो मोरिया से ईओडब्लयू की पूछताछ, भाई सैंटिनो भी जांच के घेरे में

बॉलीवुड एक्टर डिनो मोरिया इस वक्त खूब सुर्खियों में हैं, लेकिन वह किसी फिल्मी प्रोजेक्ट की वजह से नहीं बल्कि एक वित्तीय घोटाले में नाम आने के कारण खबरों में है। सोमवार को मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लयू) ने उनसे पूछताछ की। जानकारी के मुताबिक, डिनो मोरिया सुबह करीब 11 बजे ईओडब्लयू के कार्यालय पहुंचे, जहां उनसे मीठी नदी घोटाले के सिलसिले में सवाल–जवाब किए गए।मीठी नदी घोटाले में आरोप है कि नगर निगम (बीएमसी) के कुछ अधिकारियों और बाहरी एजेंसियों की मिलीभगत से भारी वित्तीय अनियमितताएं हुईं। कोच्चि स्थित एक कंपनी, मैटप्रॉप टेक्निकल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से खरीदी गई सिल्ट पुशर मशीनों और ड्रेजिंग उपकरणों के लिए बीएमसी ने जरूरत से कहीं अधिक किराया चुकाया। इस मामले में केतन कदम और जय जोशी को मुख्य आरोपी बताया गया है, जिनपर आरोप है कि उन्होंने इन मशीनों की खरीद में नगर निगम को आर्थिक नुकसान पहुंचाया और निजी लाभ कमाया। जांच के दौरान जब आर्थिक अपराध शाखा ने केतन कदम के कॉल रिकॉर्ड और वित्तीय दस्तावेजों की जांच की, तो एक्टर डिनो मोरिया और उनके भाई सैंटिनो के नाम सामने आए। बताया गया है कि इन दोनों की केतन कदम से फोन पर कई बार बातचीत हुई थी। इन्हीं कॉल्स के आधार पर ईओडब्लयू ने दोनों को पूछताछ के लिए बुलाया, ताकि यह पता लगाया जा सके कि ये बातचीत किस संदर्भ में हुई थी और क्या वे किसी भी प्रकार से इस कथित घोटाले से जुड़े थे। फिलहाल, ईओडब्लयू ने डिनो मोरिया और उनके भाई से शुरुआती स्तर की पूछताछ की है। जांच अधिकारियों के मुताबिक, अगर आगे की पूछताछ में कोई अहम जानकारी या लिंक सामने आता है, तो दोनों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

पहली शादी को अवैध बता यामा था दूसरे एक्टर का हाथ, अब मुस्लिम एक्ट्रेस को मिला धोखा! दूसरे पति का चल रहा एक्स से अफेयर

बंगाली एक्ट्रेस नुसरत जहां अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहती हैं। एक्ट्रेस साल 2019 में बिजनेसमैन निखिल जैन संग तुर्की में शादी की रचाई थी, लेकिन इसके कुछ साल बाद उन्होंने निखिल संग अपनी शादी को अवैध बताते हुए बंगाली एक्टर यशदास गुप्ता संग 2020 में गुपचुप तरीके से शादी कर ली थी और इसके बाद एक बेटे का स्वागत भी किया था। वहीं, अब नुसरत एक बार फिर सुर्खियों में हैं, क्योंकि उनकी दूसरी शादी पर भी तलाक के बादल छा रहे हैं।खबरें हैं कि नुसरत जहां की दूसरी शादी भी टूटने के कागार पर है। बताया जा रहा है कि नुसरत के दूसरे पति यश ने उन्हें सोशल मीडिया पर अनफॉलो कर दिया है। हालांकि, उनके फैंस इस खबर पर यकीन नहीं कर पा रहे हैं। इसी बीच, नुसरत जहां ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर की है, जिसमें भगवद गीता का एक श्लोक है। इस पोस्ट में लिखा है–जो आपके वश में नहीं है उसके सामने समर्पण कर देना चाहिए। इससे शांति और आजादी मिलती है। नुसरत के इस पोस्ट के बाद उनके और यश के बीच तनाव की अफवाहें तेज हो गई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार नुसरत और यश एक इवेंट में साथ में रैंप वॉक करने वाले थे, लेकिन, यश उस इवेंट में पहुंचे ही नहीं। अब सोशल मीडिया पर ये चर्चा है कि यश और उनकी एक्स पूनम के बीत नजदीकियां बढ़ रही हैं। नुसरत को अपने पति का किसी और के करीब जाना बिलकुल बर्दाश्त नहीं हो रहा है। दोनों के बीच कुछ भी ठीक नहीं चल रहा। ऐसे में समझा जा रहा है कि यही कारण है जिसकी वजह से यश ने नुसरत को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया है। ऐसे में शादी के कुछ सालों के बाद ही दोनों के बीच दिक्कतें आने लग गई हैं। बता दें, नुसरत जहां ने साल 2019 में बिजनेसमैन निखिल जैन संग तुर्की में पहली शादी की थी। इस शादी को लेकर एक इंटरव्यू में नुसरत ने कहा था कि उनकी पहली शादी अवैध थी। दरअसल, तुर्की में हुई शादी को भारत में वैध नहीं माना गया। इसके बाद साल 2020 में नुसरत और निखिल अलग हो गए थे, लेकिन, उस वक्त नुसरत प्रेग्नेंट थी। जब ये खबर सामने आई तो निखिल ने साफतौर पर मना कर दिया कि वो बच्चा उनका नहीं है। इसके बाद एक्ट्रेस ने 26 अगस्त 2021 को बेटे को जन्म दिया था। रिपोर्ट्स के अनुसार नुसरत और यश ने 2020 में गुपचुप तरीके से शादी कर ली थी, लेकिन बच्चे के जन्म के बाद रिश्ते को ऑफिशियल किया. अब 2025 में इस कपल की शादी पर तलाक के बादल भी छा रहे हैं।

24 घंटे कुछ न खाने से होते हैं शरीर में पॉजिटिव चेंज, जानिए रिसर्च क्या कहती है

इंटरमिटेंट फास्टिंग यानी सीमित समय के लिए भोजन से परहेज करना, आजकल सेहत को लेकर एक चर्चित विषय बना हुआ है। खासकर जब बात 24 घंटे तक कुछ न खाने की हो, तो यह सवाल उठता है, क्या इससे सिर्फ वजन ही नहीं घटता, बल्कि गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर से भी बचाव हो सकता है? इस सवाल का जवाब जानने से पहले यह समझना जरूरी है कि शरीर में 24 घंटे भूखे रहने से क्या बदलाव होते हैं, और यह कैसे हमें बीमारियों से बचा सकता है।

क्या होता है 24 घंटे फास्टिंग में?

जब आप लगातार 24 घंटे तक कुछ नहीं खाते, तो यह इंटरमिटेंट फास्टिंग का ही एक रूप होता है। इस दौरान शरीर को बाहर से ऊर्जा नहीं मिलती, तो वह अंदर जमा ग्लूकोज और फैट को ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करने लगता है। इसी प्रक्रिया में शरीर में ऑटोफैजी नाम की एक प्राकृतिक सेल क्लीनिंग प्रक्रिया सक्रिय होती है।

क्या है ऑटोफैजी?

ऑटोफैजी एक ऐसा जैविक सिस्टम है जिसमें हमारी कोशिकाएं खुद को साफ करती हैं। यानी पुराने, खराब या बेकार हिस्सों को तोड़कर उन्हें फिर से नए सेल्स के निर्माण में इस्तेमाल करती हैं। जापान के वैज्ञानिक योशिनोरी ओसुमी ने इस पर गहन रिसर्च की थी, और उन्हें इसके लिए 2016 में नोबेल पुरस्कार मिला था। उन्होंने बताया था कि

ऑटोफैजी प्रक्रिया

कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोक सकती है। न्यूरोलॉजिकल बीमारियों (जैसे अल्जाइमर, पार्किंसंस) से भी बचाव कर सकती है।

फास्टिंग और सूजन में कमी

फास्टिंग करने से शरीर में सूजन के संकेतक जैसे सीआरपी और आईएल–6 में कमी आती है। सूजन यानी आज हार्ट डिजीज, कैंसर, डायबिटीज और ब्रेन डिजीज का बड़ा कारण माना जाता है। ऐसे में इसे नियंत्रित करना सेहत के लिए बहुत जरूरी है।

फास्टिंग के अन्य फायदे

ब्लड शुगर कंट्रोल करता है। जिससे टाइप 2 डायबिटीज का खतरा कम होता है, और यह कुछ प्रकार के कैंसर से भी जुड़ा है

वजन घटाने में मददगार। शरीर जमा फैट को एनर्जी में बदलता है

दिमाग की कार्यक्षमता बढ़ाता है। फोकस, मेमोरी और एकाग्रता में सुधार होता है

क्या फास्टिंग से कैंसर का खतरा कम हो सकता है?

रिसर्च बताती है कि फास्टिंग से शरीर में कैंसर सेल्स के बढ़ने की रफ्तार धीमी हो सकती है। जर्मनी और इटली के वैज्ञानिकों (जैसे डॉ. वाल्टर लोंगो) ने अपनी स्टडी में यह पाया कि इंटरमिटेंट फास्टिंग कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोक सकती है। प्रकाशित एक अध्ययन में कहा गया कि फास्टिंग लिम्फोमा (एक प्रकार का कैंसर) के विकास को रोक सकता है।

24 घंटे तक फास्टिंग करना यानी कुछ न खाना शरीर के लिए कई मायनों में फायदेमंद साबित हो सकता है।

यह न सिर्फ वजन घटाने और ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मदद करता है, बल्कि शरीर में ऑटोफैजी जैसी प्रक्रिया को एक्टिव कर, कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से भी सुरक्षा दे सकता है। हालांकि, किसी भी तरह की फास्टिंग या डाइट को अपनाने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लेनी चाहिए, खासकर अगर आपको पहले से कोई बीमारी है।

आइसक्रीम खाने के बाद इन चीजें का सेवन है बेहद नुकसानदायक, हो सकती हैं पाचन संबंधी समस्याएं

गर्मियों ने दस्तक दे दी है तो ऐसे में लोग खुद को कूल रखने के लिए आइसक्रीम का सहारा ले रहे हैं। इससे पेट को कुछ समय के लिए तो गर्मी से राहत मिलती है, लेकिन इसे खाने के बाद लापरवाही बतरने से पाचन तंत्र और सेहत से जुड़ी कई सारी समस्याएं हो सकती हैं। दरअसल, आइसक्रीम खाने के बाद कई बार लोग अनजाने में कुछ ऐसी चीजों का सेवन कर लेते हैं जो बड़ी समस्याओं का कारण बन सकती है।

आइए आपको बताते हैं इसके बारे में...

चाय– कॉफी

आइसक्रीम खाने के बाद चाय– कॉफी या अन्य कैफीनेटेड ड्रिंक्स पीने की तलब आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है। इससे गले में दर्द, खराश और खांसी के अलावा पेट में दर्द जैसी शिकायत भी हो सकती है। ऐसे में पेट का तापमान एकदम से बदल जाता है जो कि बेहतर पाचन के लिए बिल्कुल भी सही नहीं है।

खट्टे फल

खट्टे फल वैसे तो सेहत के लिए वैसे तो अच्छे होते हैं, लेकिन आइसक्रीम खाने के बाद इसका सेवन न करें। ऐसा करने से आपको गैस और अपच की परेशानी हो सकती है। खट्टे फलों में मौजूद एसिड पाचन को खराब करने का काम करता है।

ठंडा पानी

आइसक्रीम खाने के बाद पानी पीने का मन आपका भी करता ही होगा और आप बिना सोच– समझे इसे पीते भी जरूर होंगे। लेकिन बता दें, ये गैस, एसिडिटी और पेट दर्द जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है। इसके साथ ही, पाचन को स्लो भी बनाता है।

स्पाइसी फूड

अगर मीठी आइसक्रीम खाने के बाद कुछ स्पाइसी खाने की तलब होती है तो खुद को रोखिए। स्पाइसी फूड्स में कैप्साइसिन पाया जाता है, जो कि डेयरी प्रोडक्ट्स यानी दूध के साथ मिलकर रिएक्शन कर सकता है।

अल्कोहल न लें

शराब तो वैसे भी सेहत के लिए अच्छी नहीं होती है। बता दें, कि इससे पाचन धीमा हो जाता है और आपको पेट में उथल– पुथल से जूझना पड़ सकता है। इसके अलावा ये उल्टी और दस्त की भी वजह बन सकता है।

पूणे में बच्चों को बेहद पसंद आएंगी ये 3 जगहें, ढेर सारी कर सकेंगे मस्ती

अगर आप भी किसी शांत व सुकून वाली जगह पर वीकेंड एंज्वॉय करने का प्लान कर रहे हैं, तो पाषाण झील एक परफेक्ट ऑप्शन हो सकता है। साथ ही बच्चों को भी यह जगह काफी पसंद आएगी। कुछ समय बच्चों को यहां पर खेलने दें और आप पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम बिता सकते हैं। पाषाण झील का निर्माण ब्रिटिश काल में किया गया था। आसपास की सुंदरता इस झील की खूबसूरती में चार चांद लगा देती है। यहां 300 मीटर लंबा हरे–भरे पेड़ों वाले रास्ते हैं। जहां पर आप बच्चों के साथ वॉक कर सकते हैं।

पुणे ओकायामा फ्रेंडशिप गार्डन

बता दें कि पूणे में स्थित यह फेमस जापानी गार्डन है। इसको भारत का सबसे बड़ा जापानी गार्डन माना जाता है। यहां पर शाम के समय आप बच्चों के साथ पिकनिक के लिए आ सकते हैं। यहां पर बच्चों के साथ कई गेम भी खेल सकते हैं। इसके साथ ही जापानी गार्डन में सुंदर छोटी लेक भी है, जहां पर आप आराम कर सकते हैं।

एंट्री फीस– 5 रुपये सभी के लिए है।

समयः सुबह 06:00 – सुबह 10:30 बजे तक और शाम 4:00 – शाम 7:30 बजे तक आप यहां विजिट कर सकते हैं।

गर्मी की छुट्टियां होते ही बच्चे पेरेंट्स से कहीं बाहर घुमाने की जिद करने लगते हैं। लेकिन इस गर्मी में बच्चों को कहां ले जाया जाए, इसको लेकर पेरेंट्स कंफ्यूज रहते हैं। तो अब आपको बच्चों को घुमाने के लिए पुणे से बाहर जाने की जरूरत नहीं है। साथ ही बच्चों को घुमाने लेकर जाने के लिए आपको ऑफिस से भी छुट्टी नहीं करनी पड़ेगी। क्योंकि आप सिर्फ एक दिन में बच्चों को ट्रिप पूरी करवा सकते हैं। आप चाहें तो हर वीकेंड बच्चों को इन जगहों पर घुमाने के लिए ले जा सकते हैं।

एडवेंचर पार्क

बच्चों के साथ पिकनिक मनाने के लिए आप एडवेंचर पार्क जा सकते हैं। गो क्रेज़ी एडवेंचर पार्क हर बच्चे को काफी ज्यादा पसंद आएगा। यहां पर आपको हरे–भरे पेड़ों के आसपास कई बच्चे खेलते नजर आएंगे। इसके अलावा यहां पर कई तरह की एक्टिविटी होती है। एटीवी बाइक, दीवार पर चढ़ना, राइफल शूटिंग, बंजी ट्रैम्पोलिन और राइफल शूट जैसी एक्टिविटी में हिस्सा ले सकते हैं।

राजीव गांधी प्राणी उद्यान

पूणे स्थित राजीव गांधी प्राणी उद्यान बच्चों के घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में शामिल हैं। यह उद्यान 130 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। यहां पर आप फैमिली ट्रिप और बच्चों के साथ पिकनिक के लिए आ सकते हैं। राजीव गांधी प्राणी उद्यान में आपको काले हिरण, बंदर, तेदुंए और हाथी जैसे कई जानवर देखने को मिलेंगे।

लोकेशन– सतारा रोड के सामने, कटराज डेयरी, पुणे।

समय– सुबह 09रू30 – शाम 05रू00 बजे (बुधवार को बंद)

एंट्री फीस– युवाओं के लिए 15 रुपये और बच्चों के लिए 5 रुपये का टिकट है।

पाषाण झील

बिना मेहनत चुटकियों में साफ करें किचन में जमी गंदगी, बहुत काम आएंगे ये टिप्स

हमारे घर का सबसे अहम हिस्सा किचन होता है। जिसकी साफ–सफाई का खास ध्यान रखना चाहिए। किचन में रोजाना खाना बनाया जाता है, जिसके कारण किचन गंदा और चिपचिपा हो जाता है। वहीं तेल–मसालों के जिद्दी दाग किचन की खूबसूरती को खराब करने का काम करता है। इसलिए किचन की रोजाना और बेसिक साफ–सफाई का खास ख्याल रखना चाहिए। क्योंकि अगर आप किचन को रोजाना साफ नहीं करते हैं, तो यहां पर मौजूद गंदगी खाने में आ सकती है और आप बीमार पड़ सकते हैं। वहीं किचन को साफ करना काफी परेशानी और थका देने वाला काम है। लेकिन अगर आप भी किचन को आसानी से चमकाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से आप गंदे किचन को चुटकियों में साफ कर सकते हैं।

किचन क्लीनिंग के टिप्स

किचन की साफ–सफाई के लिए बेकिंग सोडा एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है। बेकिंग सोडा के इस्तेमाल से किचन की चिकनाहट को साफ किया जा सकता है। इसके लिए बेकिंग सोडा को करीब 10 मिनट के लिए किचन में डाल दें। फिर इसको अच्छे से साफ कर लें। इसके साथ ही विनेगर से काफी चीजों साफ की जाती हैं। साथ ही आप इससे किचन की गंदगी और चिकनाहट को भी दूर कर सकती हैं। बता दें कि किचन की सफाई के लिए नींबू भी काफी मददगार हो सकता है। इसके लिए आपको किचन के गंदे वाले हिस्से में नींबू को 5 मिनट लगाकर छोड़ दें। फिर 5 मिनट बाद इसको साफ कर लें। किचन की चिकनाई को आसानी से साफ करने के लिए आप गरम पानी का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। यह किचन की साफ–सफाई का सबसे अच्छा तरीका है। इससे किचन में लगी चिकनाई आसानी से साफ हो जाएगी। किचन में चिकनाई वाली जगह पर गरम पानी डालें और यह धीरे–धीरे साफ हो जाएगा। कई बार किचन में तेल की गंदगी और मसालों के दाग व खारे पानी के दाग लग जाते हैं।

ऐसे में इन जिद्दी दागों को साफ करने के लिए आप हाइड्रोजन पेरोक्साइड का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे किचन में तेल–मसालों के जिद्दी दाग आसानी से साफ हो जाएंगे और आपको ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पड़ेगी।

संक्षिप्त

बीएसएनएल ने पहली बार लगातार दो तिमाही में दर्ज किया मुनाफा, कंपनी ने वित्तीय परिणामों में बताया

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड ने लंबे अरसे बाद एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। लंबे समय से हाशिये पर चल रही कंपनी ने पहली बार लगातार दूसरी तिमाही में मुनाफा हासिल करने का रिकॉर्ड बनाया है। राज्य के स्वामित्व वाली दूरसंचार ऑपरेटर बीएसएनएल ने मंगलवार को जनवरी–मार्च 2025 तिमाही के दौरान 280 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है। इससे पहले, अक्तूबर–दिसंबर 2024 तिमाही में कंपनी ने 262 करोड़ रुपये के मुनाफे की जानकारी दी थी। इसके साथ ही सरकार के स्वामित्व वाले दूरसंचार ऑपरेटर बीएसएनएल, जो अपनी खराब वित्तीय सेहत के कारण अक्सर चर्चा में रहती है, ने अपनी पहली बार लगातार दो तिमाहियों में लाभ में रहने की जानकारी दी है। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने आज 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए अपने ऑडिटेड परिणामों की घोषणा की। इसे बोर्ड की 243वीं बैठक में अनुमोदित किया गया। 2024 की जनवरी–मार्च तिमाही में, दूरसंचार ऑपरेटर ने 849 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया था।

इंस्टामार्ट ने अपनी अलग ब्रांड पहचान बनाने के लिए मूल कंपनी स्विगी को हटाया

नयी दिल्ली। 'क्विक कॉमर्स' मंच इंस्टामार्ट ने अपनी अलग ब्रांड पहचान बनाने के लिए एक रणनीतिक कदम उठाते हुए अपने नाम से मूल कंपनी स्विगी को हटा दिया है। स्विगी की प्रतिद्वंद्वी जोमैटो ने कुछ दिन पहले इटर्नल के रूप में अपने समूह की नई ब्रांड पहचान बनाई थी। इटर्नल के पास ब्लिंकिट का स्वामित्व भी है। स्विगी के समूह मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) श्रीहर्ष मजेटी ने कई मौकों पर इस बारे में बात की है कि इंस्टामार्ट कैसे पहुंच और पैमाने के लिहाज से खाद्य वितरण को पीछे छोड़ सकती है। स्विगी ने बयान में कहा, मुख्य स्विगी ऐप के साथ जुड़े इंस्टामार्ट ने इस साल की शुरुआत में एक अलग ऐप भी पेश किया था। ताजा पहल इंस्टामार्ट ब्रांड की पहचान को दर्शाती है। कंपनी ने बताया कि इंस्टामार्ट ने एक नया लोगो भी पेश किया है, जिसमें स्विगी का 'एस–पिन' आइकन है, जो ब्रांड की शुरुआत को दर्शाता है। स्विगी में ब्रांड के प्रमुख मयूर होला ने कहा कि नई ब्रांड पहचान से पता चलता है कि इंस्टामार्ट अपनी शुरुआत से काफी आगे बढ़ गया है, जबकि उसे अब भी स्विगी के भरोसे का समर्थन प्राप्त है।

शेयर बाजार में उतार–चढ़ाव जारी; 950 अंक गिरकर संभला सेंसेक्स, निफ्टी में 25000 के करीब कारोबार

मुंबई। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन हरे निशान पर खुला घरेलू शेयर बाजार अगले दिन ही लाल निशान पर आ गया। इसकी शुरुआत नकारात्मक रुख के साथ हुई। थोड़ी देर बाद एक वक्त 800 अंकों तक गिरने वाला सेंसेक्स हरे निशान पर आ गया। ऐसे ही निफ्टी ने फिसलने के बाद एक बार फिर 25000 के आंकड़े को पार कर लिया। हालांकि बाजार में उतार–चढ़ाव का दौर जारी रहा। सुबह 11 बजकर 52 मिनट पर सेंसेक्स 281.57 (0.34:) अंकों की गिरावट के बाद 81,902. 32 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। दूसरी ओर, निफ्टी 78. 46 (–0.31:) अंक कमजोर होकर 24,922.70 के स्तर पर पहुंच गया।

आईटी शेयरों की वजह से दो दिनों की तेजी के बाद गिरावट

आईटी शेयरों और कमजोर एशियाई बाजार रुझानों की वजह से दो दिनों की तेजी के बाद मंगलवार को शुरुआती कारोबार में इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट आई। 30 शेयरों वाला बीएसई बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 460.38 अंक गिरकर 81,716.07 पर आ गया। एनएसई निफ्टी 162.05 अंक गिरकर 24,839.10 पर आ गया। बाद में बीएसई बेंचमार्क 627.86 अंक गिरकर 81,548.59 पर और निफ्टी 178 अंक गिरकर 24,807.95 पर आ गया। हालांकि, अब बाजार पटरी पर लौट आया है और हरे निशान पर कारोबार कर रहा है।

किसे फायदा–किसे नुकसान?

सेंसेक्स की कंपनियों में एनटीपीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, एचसीएल टेक, इटरनल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस बैंक और टाटा मोटर्स पिछड़ते नजर आए। इंडसइंड बैंक एकमात्र हरे निशान पर दिखा। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 135.98 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

विशेषज्ञों ने कहा कि बुधवार को अप्रैल के औद्योगिक और विनिर्माण उत्पादन के आंकड़े जारी होने और इस सप्ताह के अंत में घोषित होने वाली पहली तिमाही के जीडीपी आंकड़ों से पहले निवेशक सतर्क हो गए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि निकट भविष्य में बाजार मौजूदा स्तरों के आसपास ही स्थिर रहने की संभावना है।

आईपीएल के समापन समारोह के लिए बीसीसीआई ने की खास तैयारी, भारतीय सशस्त्र बलों का होगा सम्मान

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 सीजन अब अपने समापन की ओर बढ़ रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच मंगलवार को होने वाला मुकाबला इस सीजन का आखिरी ग्रुप चरण का मैच होगा। इसके बाद गुरुवार से प्लेऑफ के मुकाबले खेले जाएंगे और फिर तीन जून को आईपीएल के 18वें सत्र का खिताबी मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल के समापन समारोह की तैयारियां शुरू कर दी है और इसके लिए खास योजना बनाई है।

सीडीएस सहित तीनों सेनाओं के अध्यक्ष को न्योता

बीसीसीआई ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने का फैसला किया है और इसके तहत बोर्ड ने समापन समारोह के लिए सीडीएस, थल सेना अध्यक्ष के साथ ही वायुसेना और नौसेना प्रमुख को भी न्योता दिया है। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से कहा, बोर्ड हमारे सशस्त्र बलों की बहादुरी, साहस और निस्वार्थ सेवा को सलाम करता है, जिनके ऑपरेशन सिंदूर ने वीरतापूर्ण प्रयास से राष्ट्र की रक्षा की और हमें प्रेरित किया। सम्मान के रूप में हमने समापन समारोह को सशस्त्र बलों को समर्पित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, हमने भारतीय सेना के तीनों सेना प्रमुख, शीर्ष रैंक के अधिकारी और जवानों को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए अहमदाबाद में होने वाले फाइनल मुकाबले के लिए आमंत्रित किया है।

सैन्य बैंड दे सकता है प्रस्तुति

देशभक्ति की भावना को और बढ़ाने के लिए इस कार्यक्रम में सैन्य बैंड द्वारा प्रस्तुति दिए जाने की संभावना है, जिसके बाद एक संगीत समारोह का आयोजन किया जाएगा। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में एक लाख से अधिक दर्शकों की उपस्थिति को देखते हुए बीसीसीआई को उम्मीद है कि समापन समारोह एक सफल कार्यक्रम रहेगा। सैकिया ने कहा, भले ही क्रिकेट राष्ट्रीय जुनून है, लेकिन हमारे देश की संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा से बढ़कर कुछ भी नहीं है।

2019 में भी सशस्त्र बलों को समर्पित हुआ था समारोह

हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब आईपीएल के दौरान सशस्त्र बलों को समर्पित कोई समारोह आयोजित किया जाएगा। 2019 में बीसीसीआई ने चेन्नई में टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह के लिए सैन्य बैंड को आमंत्रित किया था और पुलवामा आतंकी हमले के बाद सशस्त्र बलों के लिए 20 करोड़ रुपये का योगदान देने का भी संकल्प लिया था। मालूम हो कि पुलवामा हमले में 44 सीआरपीएफ जवान बलिदान हुए थे।

ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानिए

भारत ने सात मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकियों के ठिकानों पर सटीक हमले किए। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में की गई थी। इसके बाद पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश की, जिनका भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया। इस जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के कई सैन्य ठिकानों को नुकसान पहुंचा, जिनमें एयर बेस, रडार साइट्स, और कमांड सेंटर शामिल हैं। इससे घबराए पाकिस्तान ने 10 मई को भारत के सामने सीजफायर का प्रस्ताव रखा, जिसे दोनों देशों ने आपसी चर्चा के बाद लागू कर लिया।

आईपीएल एक सप्ताह के लिए हुआ था स्थगित

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का प्रभाव आईपीएल पर भी पड़ा था और टूर्नामेंट को एक सप्ताह के लिए स्थगित करना पड़ा था। सीजफायर के बाद आईपीएल 17 मई से दोबारा शुरू हुआ, लेकिन इसके कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ा। तय कार्यक्रम के अनुसार, आईपीएल का फाइनल 25 मई को कोलकाता में खेला जाना था, लेकिन बाद में संशोधित कार्यक्रम जारी हुआ जिसके तहत फाइनल मुकाबला तीन जून को अहमदाबाद में कराने का फैसला लिया गया। सशस्त्र बलों के सम्मान में कुछ मुकाबलों से पहले राष्ट्रगान भी बजाया गया था।

रोहित–कोहली के लिए फिटनेस बरकरार रखना चुनौती

रो–को के वनडे में खेलने पर कुंबले ने दिया बयान

नई दिल्ली। भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है और वह वनडे में खेलना जारी रखेंगे। हालांकि, भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी अनिल कुंबले का कहना है कि दो प्रारूप को अलविदा कहने के बाद इन दोनों दिग्गज बल्लेबाजों के लिए फिटनेस बरकरार रखना चुनौती होगी जिससे वह वनडे क्रिकेट में खेल सकें। भारतीय टीम के कोच रह चुके कुंबले ने हालांकि, इस बात पर जोर दिया कि रोहित और कोहली को अपने शेष करियर का आनंद लेना चाहिए। रोहित और कोहली के वनडे भविष्य को लेकर भी चर्चा चल रही है और इस बात के कोई संकेत नहीं मिले हैं कि ये दोनों बल्लेबाज इस प्रारूप में कब तक खेलना जारी रखेंगे। वनडे प्रारूप में अगला बड़ा टूर्नामेंट 2027 में विश्व कप है जिसमें अभी समय है। रोहित और कोहली इस साल हुए चौंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में शामिल थे और उन्होंने भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में शानदार बल्लेबाजी की थी, जबकि रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल मैच में 76 रन बनाए थे और वह प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए थे। कुंबले ने कहा, वनडे के लिए तैयारी के मामले में सिर्फ वही करना आसान नहीं है जो उन्हें करना है। यह एक चुनौती होगी, चाहे आप कोई भी हों और आपने पिछले कुछ सालों में अपना करियर कितना भी अच्छा क्यों न बनाया हो। रोहित और कोहली चौंपियन खिलाड़ी हैं और उन्हें पता है कि क्या करना है। यह जरूरी है कि वे जब तक खेल रहे हैं अपने करियर का आनंद लें। आप प्रत्येक प्रदर्शन के बारे में विस्तार से जानेंगे कि उन्हें कैसा खेलना चाहिए था या वे कैसा खेल सकते थे। कुंबले ने कहा, सबसे जरूरी यह है कि रोहित–कोहली अपने शेष करियर का जश्न मनाएं।

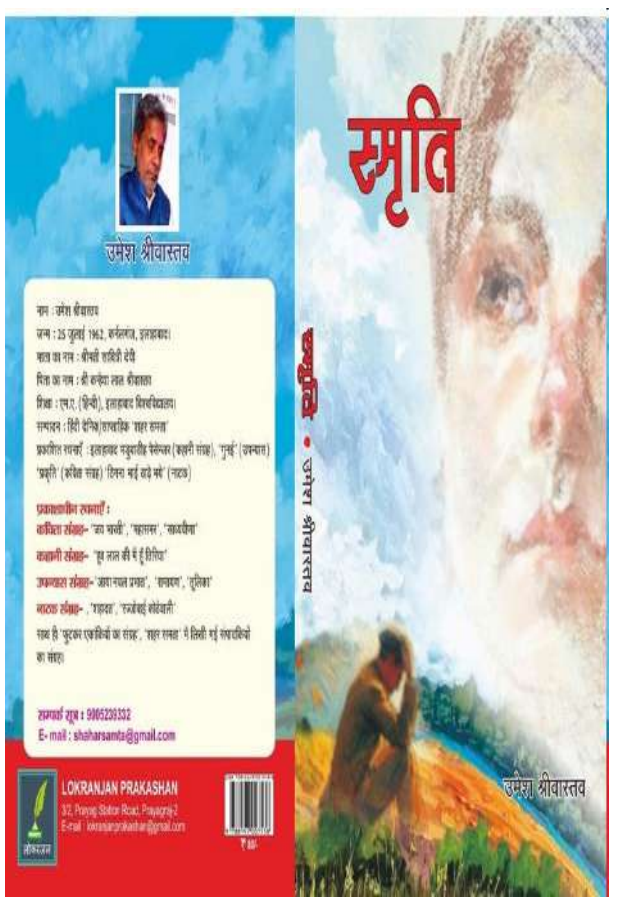

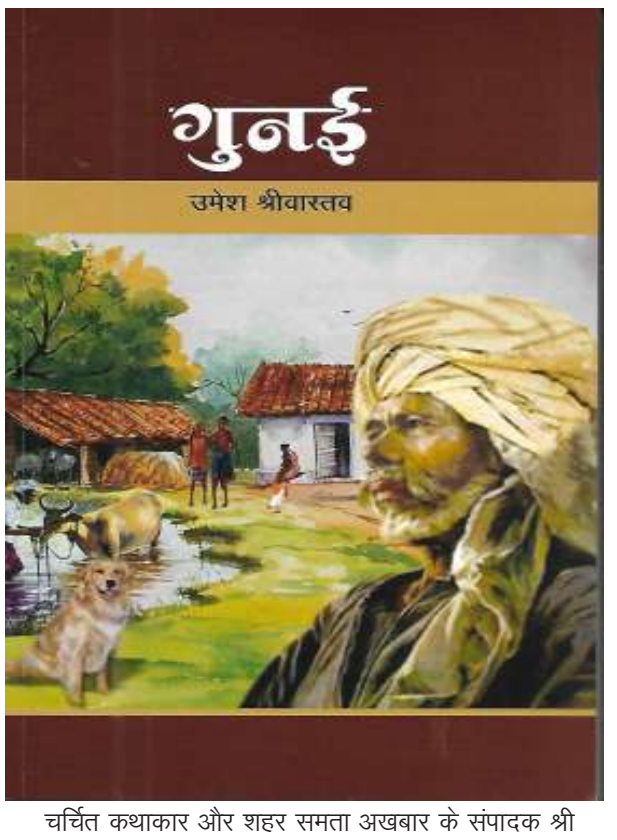

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

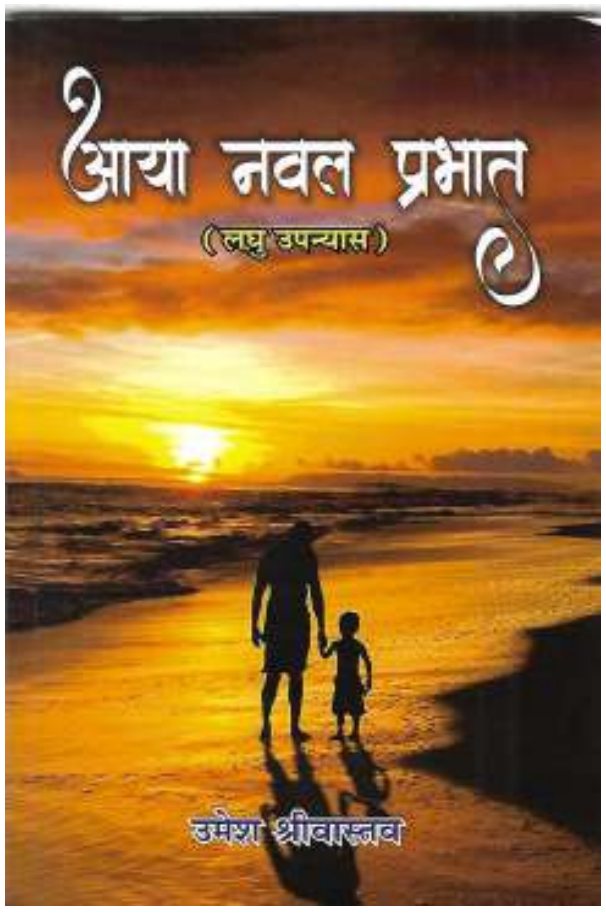

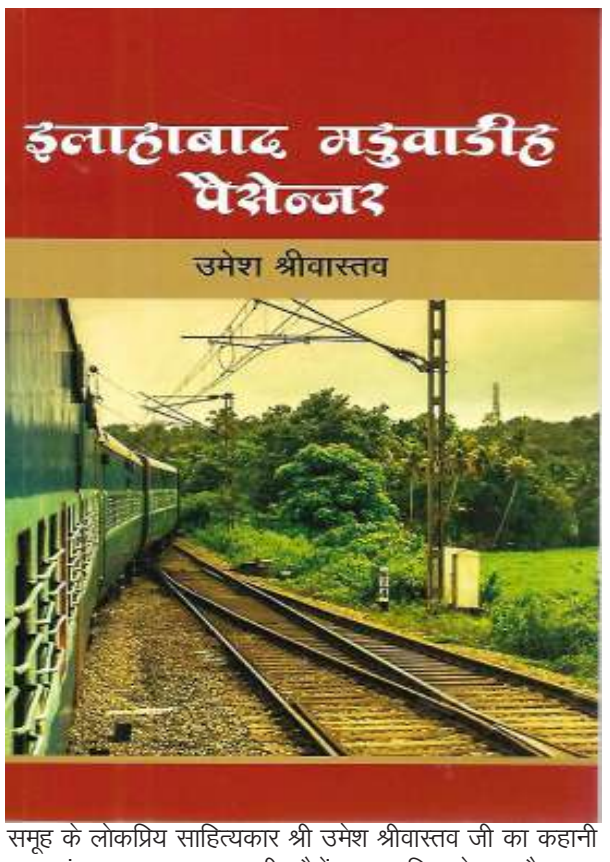

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

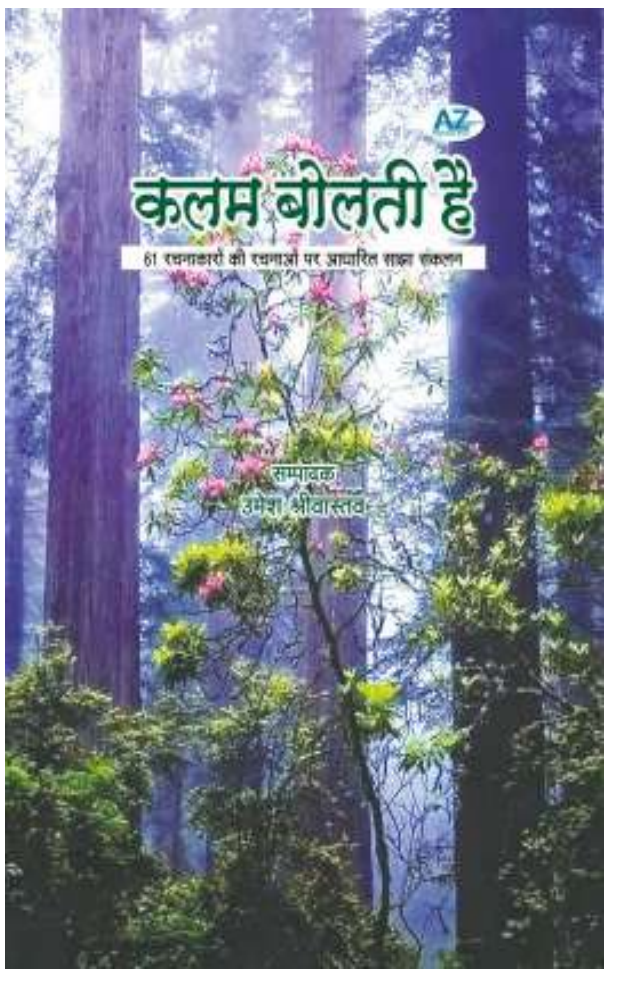

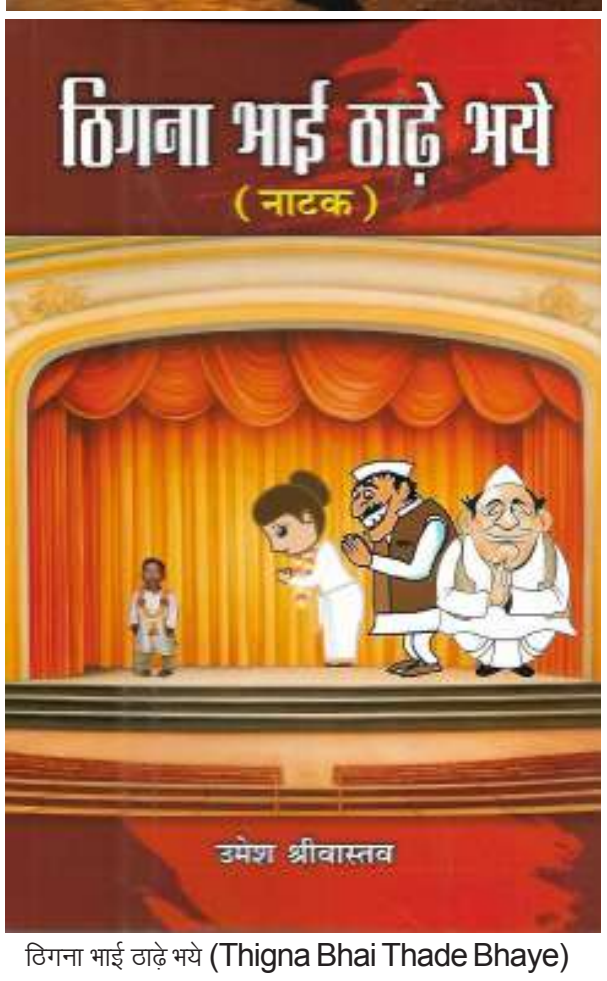

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ट्रंप को जोरदार जवाब देने वाले नेता से क्यों मिले किंग चार्ल्स, इंग्लिश, फ्रेंच और इंडिजिनस का संदेश

अमेरिका के साथ तनावपूर्ण रिश्तों का सामने कर रहे मुल्क में ब्रिटेन के किंग की यात्रा हुई है। किंग चार्ल्स तृतीय 26 मई को कनाडा की दो दिवसीय यात्रा पर ओटावा पहुंचे। यह यात्रा देश के राष्ट्राध्यक्ष के रूप में किंग की कनाडा की पहली यात्रा है। चार्ल्स ने कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से मुलाकात की है। कार्नी ही वो शख्स हैं जिन्हें डोनाल्ड ट्रम्प की आलोचना करने वाले कैंपेन के बाद मार्च में वहां की जनता ने चुना है। गौरतलब है कि कनाडा में 28 अप्रैल को चुनाव हुए और सबसे

बड़ा मुद्दा था कि डोनाल्ड ट्रंप से कैसे निपटा जाए। डोनाल्ड ट्रंप को टक्कर कौन देगा? जनता ने इन सवालों का जवाब दे दिया और लिबरल पार्टी को ट्रंप के जवाब देने के रूप में चुना है। मौजूदा प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को जीत मिली है। लोगों को उम्मीद है कि नए निजाम की बुनियाद डोनाल्ड ट्रंप की मुखालफत पर रखी जाएगी। अब ऐसे में ब्रिटेन के किंग की ओटावा यात्रा और ट्रंप आलोचक कार्नी से मुलाकात अपने आप में अहम हो जाती है। कार्नी द्वारा जारी फुटेज में चार्ल्स को रानी कैमिला के साथ भीड़ का अभिवादन करते हुए दिखाया गया है। कनाडा के लोग आमतौर पर राजशाही को लेकर बहुत भावुक नहीं हैं, लेकिन प्रधानमंत्री कार्नी अमेरिका से फर्क दिखाने को लेकर सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि किंग का दौरा कनाडा की स्वतंत्रता और संप्रभुता को साफ तौर पर दर्शाता है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि यह ऐतिहासिक सम्मान हमारी संवैधानिक परंपरा और पहचान को दिखाता है। यह इंग्लिश, फ्रेंच और इंडिजिनस (स्थानीय) लोगों के मेल से बनी हमारी एकता को भी दर्शाता है।

चीन के शानदोंग प्रांत में केमिकल प्लांट में जोरदार धमाका, राहत और बचाव कार्य जारी; कोई हताहत नहीं

बीजिंग। चीन के पूर्वी शानदोंग प्रांत में स्थित एक रासायनिक संयंत्र (केमिकल प्लांट) की वर्कशॉप में मंगलवार को जोरदार धमाका हुआ। आधिकारिक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अभी तक किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है। राज्य–नियंत्रित शिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने बताया कि धमाके के

बाद आपातकालीन टीमें तुरंत शानदोंग प्रांत के गाओमी शहर में स्थित फैक्टरी पहुंचीं। चीन के आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने भी हादसे की जानकारी मिलते ही एक विशेष टीम को घटनास्थल के लिए रवाना किया, जिसमें दमकल कर्मी, चिकित्सा विशेषज्ञ और कार्यस्थल सुरक्षा विशेषज्ञ शामिल हैं। अब तक कुल 232 स्थानीय दमकलकर्मियों को राहत और बचाव कार्य के लिए मौके पर भेजा गया है। हालात पर नजर रखी जा रही है। विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

कनाडा से जयशंकर को आया दोस्ती का फोन, नया चौप्टर शुरू

आज बात एक ऐसे डेवलपमेंट की जो भारत कनाडा के रिश्तों मेवेक नए अध्याय की शुरुआत हो सकती है। काफी लंबे समय के बाद एस जयशंकर और कनाडा की विदेश मंत्री अनिता आनंद के बीच बातचीत हुई है। कनाडा में विदेश मंत्री का पद संभालने के बाद अनिता आनंद और भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के बीच फोन पर बात हुई। दोनों नेताओं ने भारत कनाडा के बीच बेहतर रिश्ते बनाने पर चर्चा की। जयशंकर ने कहा कि भारत कनाडा के रिश्ते की संभावनाओं पर चर्चा हुई। मार्क कार्नी के कनाडा चुनाव जीतने और प्रधानमंत्री बनने के बाद दिल्ली और ओटावा के बीच यह पहला आधिकारिक राजनीतिक–स्तरीय संपर्क है, जिससे जस्टिन ट्रूडो सरकार के शासन के दौरान बिगड़े संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की उम्मीद जगी है। जयशंकर ने एक पोस्ट में कहा कि कनाडा की विदेश मंत्री अनिता आनंद के साथ हुई बातचीत की सराहना की। भारत–कनाडा संबंधों की संभावनाओं पर चर्चा की। उनके सफल कार्यकाल की कामना की। आनंद ने अपने पोस्ट में लिखा, ष्आज कनाडा–भारत संबंधों को मजबूत करने, हमारे आर्थिक सहयोग को गहरा करने और साझा प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने पर हुई सार्थक चर्चा के लिए मंत्री डॉ. एस जयशंकर को धन्यवाद। मैं हमारे साथ मिलकर काम जारी रखने के लिए तत्पर हूँ। ये कोई साधारण बात नहीं है क्योंकि भारत और कनाडा के संबंध हालिया कुछ वर्षों में बेहद तनावपूर्ण हो गए थे। आपको याद होगा कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो जब पहली बार सत्ता में आये थे तो भारत कनाडा संबंधों में एक पोसिटिव माहौल था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

भारत के खिलाफ की थी मदद, अब एर्दोगन को शुक्रिया कहने तुर्की पहुंचे शहबाज शरीफ

भारत–पाकिस्तान सैन्य संघर्ष में तुर्किये ने संघर्ष से पहले और बाद में पाकिस्तान को स्पष्ट समर्थन देने में दृढ़ता दिखाई। तुर्की सरकार के करीबी सूत्रों ने दावा किया कि तुर्की के मालवाहक विमानों ने पाकिस्तान को सैन्य आपूर्ति की, हालांकि तुर्की के अधिकारियों ने इससे इनकार किया। यह लंबे समय में तुर्किये द्वारा दिया गया सबसे जोरदार बयान है, जो पहले घोषित एशिया एन्यू इनिशिएटिव से स्पष्ट रूप से अलग है, क्योंकि तुर्किये ने अपनी दक्षिण एशिया नीति में व्यापार पर सुरक्षा को प्राथमिकता दी है। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने तब से कई बार बात की है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान के लिए अपने देश के समर्थन को दोहराया है। अब लगता है कि इसी समर्थन का आभार जताने के लिए पाकिस्तान के वजीर ए आजम तुर्की के दौरे पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण आयाम की समीक्षा की और रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने का संकल्प दोहराया। यह जानकारी सोमवार को मीडिया ने दी। शरीफ चार मित्र देशों की अपनी यात्रा के तहत रविवार को दो दिवसीय दौरे पर तुर्किये पहुंचे। इन मित्र देशों में ईरान, अजरबैजान और ताजिकिस्तान भी शामिल हैं। सरकारी प्रसारक पीटीवी न्यूज के अनुसार, शरीफ और एर्दोआन ने रविवार को प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक की। एर्दोआन के साथ अपनी बैठक में शरीफ ने संयुक्त उद्यमों और द्विपक्षीय निवेश बढ़ाने की वकालत की तथा नवीकरणीय ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी, रक्षा उत्पादन, बुनियादी ढांचे के विकास और कृषि जैसे प्रमुख क्षेत्रों को आपसी हित के संभावित क्षेत्रों के रूप में रेखांकित किया। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण आयाम की व्यापक समीक्षा की तथा रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने का अपना संकल्प दोहराया। शरीफ ने एक्स पर लिखा कि हमने अपने बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों, विशेष रूप से व्यापार और निवेश में जारी प्रगति की भी समीक्षा की। भाईचारे तथा सहयोग के इन अटूट बंधनों को और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करना जारी रखने के अपने संकल्प की पुष्टि की। शरीफ ने इस महीने भारत के साथ सैन्य टकराव के दौरान अपने देश के समर्थन के लिए एर्दोआन को धन्यवाद भी दिया। गत 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था। भारत ने सात मई की सुबह पाकिस्तान और इसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सटीक हमले किए थे। इसके बाद पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया। भारतीय सेना ने पाकिस्तानी कार्रवाई का कड़ा जवाब दिया। दस मई को दोनों पक्षों के सैन्य अभियान महानिदेशकों के बीच वार्ता के बाद सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी थी। एर्दोआन के साथ बैठक के दौरान शरीफ के साथ विदेश मंत्री इसहाक डार, सेना प्रमुख (सीओएएस) फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और सूचना मंत्री अताउल्ला तरार भी थे।

क्या पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर को रोकने का क्रेडिट डोनाल्ड ट्रंप को जाता है?

अमेरिकी सांसद ने अमेरिकी राष्ट्रपति को आईना दिखाया!

भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसी स्थिति बनीं हुई थी ऐसे में तीन से चार दिन तक चले ताबड़तोड़ हमले के बाद दोनों देशों के बीच सीजफायर का ऐलान कर दिया गया। सीजफायर का ऐलान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से किया। इसके बाद पूरे विश्व में शुरूआत में ये संदेश फैल गया कि भारत–पाकिस्तान के बीच सीजफायर ट्रंप मे कराया था। इसके बाद भारत सरकार ने साफ कर दिया कि पाकिस्तान और भारत के बीच सीजफायर दोनों देशों द्वारा लिया गया स्वंम का निर्णय था। पर डोनाल्ड ट्रंप कभी भी कोई क्रेडिट लेने से नहीं चूकते हैं। ऐसे में अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य श्री थानेदार ने सोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना की, क्योंकि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को रोकने का श्रेय लिया है। थानेदार ने ट्रंप पर राजनीतिक लाभ के लिए स्थिति का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। मुंबई मराठी पत्रकार संघ में एक चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान अमेरिकी हस्तक्षेप के बिना स्वतंत्र रूप से अपने मुद्दों को हल करने में सक्षम हैं। अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को रोकने का श्रेय लेने का राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास कोई आधार नहीं है। अमेरिकी सांसद ने साथ ही ट्रंप पर इस परिस्थिति से राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश करने का आरोप लगाया। यहां मुंबई मराठी पत्रकार संघ में एक कार्यक्रम में श्री थानेदार ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद भारत का ऑपरेशन सिंदूर शुरू करके जवाब देना स्वाभाविक था और अमेरिका ने निश्चित रूप से नयी दिल्ली की स्थिति को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान अपने मुद्दों को सुलझाने में सक्षम हैं, न तो भारत और न ही पाकिस्तान ने अमेरिका को मध्यस्थता के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि ट्रंप द्वारा की गई घोषणा का कोई आधार था। वह केवल इससे लाभ उठाना चाहते थे, इसलिए उन्होंने यह घोषणा की।'' थानेदार ने कहा, ''अमेरिका की इसमें (संघर्ष को रोकने में) कोई भूमिका नहीं थी। भारत ने भी ऐसी किसी बात से इनकार किया है। ट्रंप का इसका श्रेय लेने का कोई आधार नहीं है।

मशहूर नेपाली पर्वतारोही कामी रीता ने 31 बार किया माउंट एवरेस्ट फतह, अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा

काठमांडू। नेपाल के मशहूर पर्वतारोही कामी रीता ने मंगलवार को 31वीं बार माउंट एवरेस्ट को फतह किया। इस तरह उन्होंने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर सबसे ज्यादा बार चढ़ाई करने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस अभियान के आयोजक और सेवन समिट ट्रेक्स के अध्यक्ष मिंगमा शेरपा ने बताया कि कामी रीता (55 वर्षीय) ने सुबह करीब चार बजे मौसम सामान्य रहने पर 8,849 मीटर ऊंची चोटी के शिखर पर पहुंचे। वह इस बार

भारतीय सेना की एडवेंचर विंग के एवरेस्ट अभियान की टीम का मार्गदर्शन कर रहे थे, जिसका नेतृत्व लेफ्टिनेंट कर्नल मनोज जोशी कर रहे थे। काठमांडू पोस्ट ने मिंगमा शेरपा के हवाले से कहा, यह नई उपलब्धि दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर सबसे ज्यादा बार चढ़ने वाले वाले व्यक्ति के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत करती है। यह एक ऐसा रिकॉर्ड है, जिसके आसपास भी अभी तक कोई नहीं पहुं पाया है। मिंगमा शेरपा ने आगे बताया कि चोटी पर पहुंचने के बाद कामी रीता सुरक्षित और स्थिर हैं। उन्होंने नीते उतरना शुरू कर दिया है और अब बेस कैंप की ओर लौट रहे हैं। हमेशा की तरह कामी ने अपने बेजोड़ कौशल और पेशेवर अनुभव को फिर से साबित किया है। हम उनकी इस महान उपलब्धि पर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं और जो विरासत वह बना रहे हैं, वह हमारे लिए गौरव का विषय है। पिछले दो वर्षों में कामी रीता ने हर मौसम में दो बार माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई की। इसके साथ ही उनकी सफल चढ़ाइयों की संख्या 30 हुई। सेवन समिट ट्रेक्स के अभियान निदेशक छांग दावा शेरपा ने बताया कि कामी रीता को कम उम्र से ही पर्वतारोहण का गहरा शौक था और वह बीते दो दशकों से अधिक समय से लगातार पहाड़ों पर चढ़ाई कर रहे हैं।

कामी रीता कौन हैं?

शेरपा समुदाय का गढ़ सोलुकुंभी क्षेत्र में जन्मे कामी रीता ने 1992 में अपनी पर्वतारोहण यात्रा शुरू की थी। वे एक सहायक कर्मचारी के रूप में एवरेस्ट पर जाने वाले अभियान समूह में शामिल हुए। उन्होंने पहली बार 1994 में एवरेस्ट पर चढ़ाई की। तब से लगभग हर साल दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर लौटते रहे।

कामी रीता के पिता पहले शेरपा पर्वत गाइडों में से एक थे। सेवन समिट ट्रेक्स के अभियान निदेशक छांग दावा शेरपा ने कहा कि कामी ने छोटी उम्र में ही चढ़ाई के लिए गहरा जुनून विकसित कर लिया था। अब दो दशकों से अधिक समय से चोटियों पर चढ़ रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में वे सबसे प्रसिद्ध शेरपा गाइडों में से एक बन गए हैं। छांग दावा के अनुसार, कामी रीता ने 1994 से 2025 के बीच के–2 और माउंट लोत्से पर एक–एक बार, मनास्लू पर तीन बार और चो ओयू पर आठ बार चढ़ाई की है।

कामी रीता के सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी उनके साथी शेरपा गाइड पासंद दावा हैं। उन्होंने माउंट एवरेस्ट पर 29 सफल चढ़ाई की है। न्यूजीलैंड के एडमंड हिलेरी और नेपाली शेरपा तेनजिंग नोर्गे 1953 में एवरेस्ट पर चढ़ने वाले पहले व्यक्ति थे।

फिलाडेल्फिया के फेयरमाउंट पार्क में गोलीबारी; दो की मौत, कम से कम आठ लोगों के घायल होने की खबर

फिलाडेल्फिया के जानेमाने फेयरमाउंट पार्क में गोलीबारी की खबर है। गोलीबारी में दो नाबालिगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम आठ लोग घायल हुए हैं। घटना रात करीब 10.30 बजे (स्थानीय समयानुसार) लेमन हिल ड्राइव पर हुई। इस वक्त पार्क में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया कि गोलीबारी की घटना कार मीटअप के बाद हुई। इस अफरातफरी में एक अन्य व्यक्ति को कार की टक्कर लगने के बाद अस्पताल ले जाया गया। घटना लिटिल रिवर, साउथ कैरोलिना में एक अन्य सामूहिक गोलीबारी के एक दिन बाद हुई है, जिसमें 11 लोग घायल हो गए थे। पुलिस ने साउथ कैरोलिना की घटना को स्थानीय उप्रदवियों की करतूत बताया है। पुलिस ने लोगों को आश्वस्त किया है कि कोई खतरा नहीं है। एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि 15 में से एक अमेरिकी ने सामूहिक गोलीबारी देखी है। यूनिवर्सिटी ऑफ कोलोराडो बोल्डर की रिपोर्ट में पाया गया कि लगभग सात फीसदी अमेरिकी वयस्क अपने जीवनकाल में सामूहिक गोलीबारी के दृश्य के साक्षी बने हैं। ऐसे ही दो फीसदी से अधिक लोग इस दौरान घायल हुए हैं।

बोस्निया में प्रवासी शिविर के पास गोलीबारी में छह लोग घायल

इस बीच बोस्निया में एक शरणार्थी शिविर के पास प्रतिद्वंद्वी प्रवासी समूहों के बीच गोलीबारी में छह लोग घायल हो गए। इनमें पांच गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। गोलीबारी सोमवार शाम को साराजेवो की राजधानी के बाहरी इलाके में ब्लाजुज गांव में शिविर के पास हुई। पुलिस ने शिविर पर छापा मारा और तलाशी ली। कई संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। बोस्नियाई मीडिया ने बताया कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान से समूहों को लाने वाले प्रतिद्वंद्वी तस्करों के बीच झड़प के बाद गोलीबारी हुई। रिपोर्टों में कहा गया है कि घायलों में से दो की हालत गंभीर बनी हुई है।

अल्पसंख्यकों के अधिकारों में नहीं होगी कोई कटौती, युनूस के बदले सुर, संविधान संशोधन की कवायद के बीच दिया बड़ा बयान

बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में कहा कि देश में पेश किए जाने वाले किसी भी संवैधानिक संशोधन से धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यकों के अधिकार बरकरार रहेंगे। यूनुस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट में यह भी कहा कि अल्पसंख्यकों को बहुसंख्यक मुस्लिम आबादी के समान अधिकार मिलते रहेंगे। यूएस आयोग ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम (न्ब्प्थ्) के अध्यक्ष स्टीफन श्नेक के साथ बैठक के दौरान यह टिप्पणी की। यूनुस ने कहा, ष्हम देश में धार्मिक सद्भाव बनाने के लिए कड़ी

मेहनत कर रहे हैं। पिछले साल के विद्रोह के बाद सुधार आयोगों की गतिविधियों और प्रस्तावित संवैधानिक परिवर्तनों के बारे में पूछे जाने पर, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार को हटा दिया गया था। यूनुस ने कहा कि कोई भी संवैधानिक संशोधन बांग्लादेश में धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यकों के अधिकारों को बरकरार रखेगा। उन्होंने कहा कि आम सहमति बनाने वाला आयोग प्रस्तावित संशोधनों पर राजनीतिक दलों के साथ बातचीत कर रहा है। अल्पसंख्यकों को बहुसंख्यक मुस्लिम आबादी के समान अधिकार मिलते रहेंगे। यूनुस ने देश में धर्म की भूमिका पर ध्यान दिलाया और धार्मिक सद्भाव बनाए रखने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि हम देश के हर नागरिक की धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। अल्पसंख्यकों के साथ हिंसा के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए यूनुस ने कहा कि अंतरिम सरकार पारदर्शिता के लिए प्रतिबद्ध है और उन्होंने वैश्विक पत्रकारों को आमंत्रित किया है कि वे आकर स्थिति को प्रत्यक्ष रूप से देखें। पिछले वर्ष अगस्त में हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, जिनमें हिंदू समुदाय भी शामिल है, पर हमलों की बाढ़ आ गई।

सांस्कृतिक संपत्ति की अवैध तस्करी से निपटने के लिए बनाया जाए मजबूत ढांचा, ब्रिक्स फोरम में भारत का बयान

ब्रासीलिया। भारत ने सोमवार को ब्रिक्स फोरम में आह्वान किया कि इस संगठन को न सिर्फ भू–राजनीतिक स्तर पर बल्कि सभ्यता के स्तर पर भी नेतृत्व करना चाहिए। भारत ने एक ऐसा सांस्कृतिक इकोसिस्टम बनाने की मांग की, जिसमें विविधता, मानवता और तरक्की को प्रोत्साहित किया जाए। ब्राजील में सोमवार को ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्रियों की बैठक हुई। इस बैठक में भारत की तरफ से केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शामिल हुए।

बैठक के दौरान गजेंद्र सिंह शेखावत ने सांस्कृतिक संपत्तियों की अवैध तस्करी को रोकने के लिए एक मजबूत कानूनी ढांचा बनाने का आह्वान किया।

साथ ही उन्होंने एआई के नैतिक उपयोग पर बल दिया ताकि सांस्कृतिक विविधता का सम्मान किया जा सके।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।